PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ, शनिवार 29 अगस्त 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

यूपी: जीएसएम ट्रांसमीटर, ब्लूटूथ गैजेट्स... चीन के हाईटेक उपकरण इस्तेमाल कर रहे थे जुआरी, पुलिस भी रह गई हैरान

इसके माध्यम से खिलाड़ी आपस में सीक्रेट कोड या निर्देश साझा कर रहे थे, ताकि जीत हमेशा उन्हीं की हो। सीओ तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि इस हाईटेक रैकेट का खात्मा करने के लिए पुलिस ने पूरी योजना के साथ कार्रवाई की। कुल 22 पुलिसकर्मियों की टीम ने मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 16 मोबाइल फोन और 19 ताश की गड्डियां भी बरामद की हैं, जिनका इस्तेमाल इस हाईटेक जुए में हो रहा था।

जुआरियों को जेल भेजा

होटल मेलरोज-इन में हाई-प्रोफाइल जुए के अड्डे से पकड़े गए 17 लोगों को शुक्रवार को पुलिस ने जेल भेज दिया। आरोपियों के पास से 5,50,400 रुपये की नकदी, 16 मोबाइल फोन, दो कारें और 11 बाइकें भी बरामद हुई थीं। रैकेट के संचालन में होटल के रिसेप्शनिस्ट की संलिप्तता थी, जो कमरा बुक करने से लेकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखता था। उसके मोबाइल फोन से कई बड़े बुकियों के नंबर भी हाथ लगे हैं।

परिवार वाले कर रहे थे तलाश, बुजुर्ग मिले हिरासत में

पकड़े गए जुआरियों में कुछ का सोने चांदी का काम था। एक 60 वर्षीय बुजुर्ग भी गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शामिल थे। यह पुराने शहर के रहने वाले हैं। बताया जाता है कि जब बुजुर्ग शाम तक घर नहीं पहुंचे तो परिवार के सदस्य उनकी तलाश में निकले। बाद में जानकारी हुई वह थाने पर हैं।

यह ऐसे उपकरण हैं, जो आमतौर पर जासूसी या हाईटेक धोखाधड़ी में इस्तेमाल होते हैं। जीएसएम ट्रांसमीटर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दूरदराज इलाकों में बैठे लोगों को भी गेम और वहां रखे अन्य उपकरणों को रिमोटली कंट्रोल करने की ताकत देता है। होटल मेलरोज इन में पकड़े गए जुए के नेटवर्क में चीन की हाईटेक चीटिंग डिवाइसों का इस्तेमाल हो रहा था। इनको देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। जीएसएम ट्रांसमीटर और ब्लूटूथ गैजेट्स जैसे इन आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और गैजेट्स के सहारे जुए का बड़ा खेल खेला जा रहा था। इन उपकरणों के सहारे दूर रखी या फिट करे किसी अन्य उपकरण को ऑन ऑफ या ऑपरेट किया जा सकता है। यह ऐसे उपकरण हैं, जो आमतौर पर जासूसी या हाईटेक धोखाधड़ी में इस्तेमाल होते हैं। जीएसएम ट्रांसमीटर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दूरदराज इलाकों में बैठे लोगों को भी गेम और वहां रखे अन्य उपकरणों को रिमोटली कंट्रोल करने की ताकत देता है। इसके जरिये पैसे लगाने वाले खुद मौके पर मौजूद न रहकर भी पूरे खेल को संचालित कर रहे थे। इसके अलावा ब्लूटूथ और चीटिंग डिवाइस से जुए के दौरान बाजी पलटने और धोखाधड़ी करने के लिए विशेष चीटिंग डिवाइस और ब्लूटूथ गैजेट्स का इस्तेमाल किया जा रहा था।

यह है सरकारी दफ्तरों की हकीकत: दफ्तर हैं, फरियादें हैं, नहीं है तो सिर्फ शिकायत पेटिका

सीडीओ योगेंद्र कुमार का कहना है कि पीड़ितों की सुनवाई के लिए सभी अधिकारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जनसुनवाई करते हैं। आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से भी लोग शिकायत दर्ज कराते हैं, जिनका समय सीमा में निस्तारण कराया जाता है।

बिजली निगम के अफसरों ने भी बनाया बहाना

बिजली कटौती, लो-वोल्टेज, खराब ट्रांसफॉर्मर और बिल संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए रोजाना उपभोक्ता बिजली निगम के कार्यालयों तक पहुंचते हैं, लेकिन यहां भी शिकायत पेटिका नजर नहीं आई। मुख्य अभियंता अरविंद नायक का कहना है कि पीड़ित अपनी शिकायत लेकर कभी भी अधिकारियों से मिल सकते हैं। ऑनलाइन भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

नगर निगम में भी नहीं दिखी पेटिका

नगर निगम में प्रतिदिन सफाई, पेयजल, सीवर, सड़क, स्ट्रीट लाइट और कर से जुड़ी शिकायतें लेकर लोग पहुंचते हैं। इसके बावजूद परिसर में शिकायत पेटिका नजर नहीं आई। नगर आयुक्त प्रेमप्रकाश मीणा का कहना है कि नगर निगम में मुख्य गेट के पास ही एकल विंडो है। यहां कोई भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

रोडवेज दफ्तर में नहीं दिखी शिकायत पेटिका

रोडवेज बस अड्डे पर यात्रियों को बसों की देरी, सीट, परिचालक-चालक के व्यवहार और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर शिकायतें रहती हैं। लेकिन यहां भी शिकायत पेटिका नहीं मिली। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि शिकायतकर्ता अपनी शिकायत पटल पर अथवा मोबाइल फोन के जरिये दर्ज करा सकते हैं।

अलीगढ़ विकास भवन में कहीं भी शिकायत पेटिका नहीं लगी है, जबकि यहां फरियादी बड़ी संख्या में आते हैं। बिजली कटौती, लो-वोल्टेज, खराब ट्रांसफॉर्मर और बिल संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए रोजाना उपभोक्ता बिजली निगम के कार्यालयों तक पहुंचते हैं, लेकिन यहां भी शिकायत पेटिका नजर नहीं आई। कोई सड़क की बदहाली से परेशान है तो कोई पानी की समस्या से। किसी को सरकारी दफ्तर में सुनवाई नहीं होने की शिकायत है तो किसी को रोडवेज बसों की व्यवस्था से नाराजगी। किसी को बिजली बिल में गड़बड़ी तो किसी को बिजली न आने की शिकायत है। ऐसे में अगर पीड़ित अपनी शिकायत लिखकर शिकायत पेटिका में डालना चाहे तो वह जाए कहां ? अलीगढ़ नगर निगम, विकास भवन, रोडवेज और बिजली निगम के कार्यालय में संवाद न्यूज एजेंसी की टीम ने बृहस्पतिवार को पड़ताल की तो यहां शिकायत पेटिकाएं ही नहीं मिलीं। रेलवे और आरटीओ कार्यालय में शिकायत पेटिका तो है, लेकिन अधिकारियों के अनुसार लंबे समय से इनमें कोई शिकायत नहीं आई है।

विकास भवन में फरियादी अधिक, व्यवस्था कम

विकास भवन में कहीं भी शिकायत पेटिका नहीं लगी है, जबकि यहां फरियादी बड़ी संख्या में आते हैं। हालांकि यहां स्वागत कक्ष जरूर बना है, लेकिन यहां शिकायत दर्ज कराने की बजाय बैठे कर्मचारी उन्हें संबंधित विभाग में फरियाद लगाने भेज देते हैं।

Aligarh News: शाहजमाल व ईदगाह क्षेत्र को जलभराव से मिलेगी निजात

पिछले कई दशकों से जलभराव की समस्या से जूझ रहे शाहजमाल, खैर रोड, ईदगाह और आसपास के क्षेत्रों में नगर निगम ने जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसके तहत अगले 10 दिनों में शाहजमाल पंपिंग स्टेशन से खैर रोड तक नई राइजिंग मेन बिछाने का काम शुरू किया जाएगा। इससे पंपिंग स्टेशन की जल निकासी क्षमता 30 हजार लीटर प्रति मिनट से बढ़कर करीब एक लाख लीटर प्रति मिनट हो जाएगी। महापौर प्रशांत सिंघल और नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बृहस्पतिवार को ईदगाह ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन पर 1010 केवीए क्षमता के नए जनरेटर का बटन दबाकर लोकार्पण किया। नगर निगम ने जनरेटर की खरीद और स्थापना पर 95.50 लाख रुपये खर्च किए हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि ईदगाह ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन शहर के प्रमुख और निचले क्षेत्रों में स्थित पंपिंग स्टेशनों में शामिल है। यहां नियमित रूप से करीब 20 एमएलडी पानी की निकासी होती है। स्टेशन पर 100 एचपी क्षमता के पांच पंप सेट लगे हैं।

16 करोड़ से बनेगा नया पंपिंग स्टेशन

नगर निगम शाहजमाल क्षेत्र में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए करीब 16 करोड़ रुपये की लागत से 1000 किलोलीटर प्रति मिनट क्षमता का नया पंपिंग स्टेशन स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। यह परियोजना अर्बन फ्लड और स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज योजना के तहत तैयार की जाएगी।

नगर आयुक्त प्रेमप्रकाश मीणा के अनुसार इस व्यवस्था से शाहजमाल, खैर रोड, नगला मसानी, हड्डी गोदाम, चरखवालान, पंतनगर, देहलीगेट, तुर्कमान गेट, सराय मियां और सराय काबा समेत बड़े इलाके की जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी। कार्यक्रम में पार्षद मुशर्रफ हुसैन महजर, राजा भैया, हारून, इरशाद, बाबर तालिब, इकबाल सहित अधिशासी अभियंता अजय सक्सेना आदि मौजूद रहे।

Aligarh News: सांसद की पिच पर आकर खेल रहे विधायक, 'टोपी-बुलडोजर' से गरमाया माहौल

विधानसभा चुनाव अभी दूर हैं, लेकिन अलीगढ़ में इसकी सियासी आहट सुनाई देने लगी है। सांसद सतीश गौतम के बयानों में पिछले दो साल से दिखाई दे रही हिंदुत्व और कानून-व्यवस्था की आक्रामक पिच अब विधानसभा स्तर पर भी सुनाई देने लगी है। कोल विधायक अनिल पाराशर के हालिया बयान ने इस चर्चा को और हवा दे दी है। 26 अगस्त को एटा चुंगी स्थित कुंवरनगर में एक सभा में वोट मांगते हुए विधायक ने टोपी वालों और योगी के बुलडोजर का जिक्र किया और पिछली सरकारों की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। विधायक ने कहा था कि पहले इंसान तो छोड़िए, जानवर भी सुरक्षित नहीं थे। घर के बाहर खेत में भैंस तक बांधना मुश्किल था। अब योगी के बुलडोजर की वजह से टोपी वालों से अलीगढ़ के लोगों को चैन मिला है। विधायक ने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर मौजूदा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए अपने और हिंदुत्व के समर्थन में वोट मांगे। यह बयान ऐसे समय आया है जब 2027 के विधानसभा चुनाव में अभी चार से पांच महीने बाकी हैं और भाजपा की ओर से टिकट को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है। पाराशर का यह बयान इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि जून में अतरौली मुठभेड़ के बाद भी उनका एक वीडियो सामने आया था। इसमें उन्होंने लूट के आरोपियों के एनकाउंटर को अल्लाह मियां के पास पहुंचाया कहते हुए इसे योगी-मोदी सरकार की कार्रवाई बताया था। ऐसे में विधायक की यह भाषा सिर्फ एक सभा के बयान तक सीमित नहीं, बल्कि चुनाव से पहले अलीगढ़ की राजनीति में मुद्दों और भाषणों के बदलते मिजाज का संकेत भी मानी जा रही है।

सांसद की पिच पर पहले से चल रही है आक्रामक राजनीति

अलीगढ़ में भाजपा के जनप्रतिनिधियों के बयानों में हिंदुत्व, मुस्लिम पहचान और कानून-व्यवस्था का मुद्दा नया नहीं है। पिछले दो वर्षों में सांसद सतीश गौतम के कई बयान सुर्खियां बन चुके हैं। अब विधायक अनिल पाराशर का बयान सामने आने के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या सांसद के बाद विधानसभा स्तर के नेता भी उसी राजनीतिक पिच पर अपनी जगह बना रहे हैं?

टिकट तय नहीं, लेकिन अपनी-अपनी पिच तैयार

अभी भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए टिकट तय नहीं किए हैं। इसके बावजूद नेताओं की सभाओं में आने वाले चुनाव की संभावित भाषा दिखाई देने लगी है। कानून-व्यवस्था, हिंदुत्व और मुस्लिम पहचान जैसे मुद्दे भाषणों में जगह बना रहे हैं। ब्रज प्रांत से जुड़े नेताओं में चर्चा है कि चुनाव से पहले ये भाषा अपने-अपने समर्थक वर्ग को मजबूत करने की कोशिश हो सकती है। लेकिन, इसे पार्टी की आधिकारिक चुनावी रणनीति मानना अभी जल्दबाजी होगी। बहरहाल चुनाव का सही समय भले ही सामने न हो, लेकिन उसकी भाषा जरूर सामने आने लगी है। अब अलीगढ़ में अगले कुछ महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि नेताओं की यह पिच और कितनी तेज होती है और इसमें स्थानीय मुद्दों, विकास और रोजगार की जगह कितनी बचती है।

विधायक बोले- पहले और अब की कानून-व्यवस्था की तुलना की

कोल विधायक अनिल पाराशर ने कहा कि उन्होंने पूर्व और वर्तमान की कानून-व्यवस्था की तुलना करते हुए बयान दिया था। पहले की घटनाएं सभी जानते हैं, इसलिए उनका अलग से उल्लेख करने की जरूरत नहीं है।

किसकी कैसी पिच?

. सांसद सतीश गौतम : 17 जुलाई 2026 को खैर में 'गोल टोपी और लंबी दाढ़ी' वाले लोगों पर टिप्पणी, सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट का आरोप।

. राज्यमंत्री रघुराज सिंह : 17 अगस्त 2026 को हिंदुत्व समर्थकों के वोट की खुली अपील।

. कोल विधायक अनिल पाराशर : 26 अगस्त 2026 'टोपी वालों के डर' से योगी के बुलडोजर तक की बात; इससे पहले एनकाउंटर को 'अल्लाह मियां के पास' भेजने वाला बयान।

Aligarh News: रक्षाबंधन पर गांव चामड़ में चले लाठी-डंडे और गोलियां

गांव चामड़ में रक्षाबंधन पर कमेंटबाजी को लेकर शुरू हुए विवाद ने बड़ा रूप ले लिया। दो पक्ष आमने सामने आ गए। लाठी-डंडे और पथराव के बाद तमंचे से फायरिंग हुई। आरोपियों की पुलिस कर्मियों से भी कहासुनी हो गई। थाना पुलिस ने अपने तरफ से 11 नामजद समेत 20 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। दस लोगों को हिरासत में लिया है। ग्रामीणों व वायरल वीडियो में कई राउंड फायरिंग हुई, जबकि पुलिस केवल एक राउंड चलने का हवाला दे रही है। सीओ इगलास कमलेश कुमार ने बताया है कि शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे सूचना मिली कि गांव गांव में दो पक्ष आमने-सामने आ गए हैं। एक-दूसरे को जान से मारने की नीयत से फायरिंग की जा रही है और पथराव हो रहा है। सूचना पर जब पुलिस पहुंची तो एक पक्ष से गांव के ओमवीर सिंह, संतोष, रामकिशन, भीमा सहित 10 अज्ञात लोग और दूसरे पक्ष से निक्की चौधरी व भैंया निवासी कान्हा, सतेंद्र कुमार निवासी नगला माधौ, लव कुश निवासी नगला जंगली, प्रशांत चौधरी निवासी जाखुर, अजय कुमार व कन्हैया उर्फ कान्हा सहित 10 अज्ञात लोग एक राय होकर हाथों में ईंट-पत्थर लेकर पथराव कर रहे थे। उनके हाथों में तमंचे भी थे। पुलिस कर्मियों ने झगड़ा शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन दोनों पक्ष पुलिस कर्मियों से विवाद करने लगे। इधर, रात आठ बजे एसपी देहात मनीष कुमार मिश्रा ने थाने पहुंच हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की।

तमंचे से सीधी फायरिंग का वीडियो वायरल

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर तमंचे से फायरिंग करते और ईंट-पत्थर बरसाते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में घरों के आसपास भी पथराव और अफरातफरी का माहौल नजर आ रहा है। पुलिस वीडियो की भी जांच कर रही है।

दोस्ती से गुटबंदी तक पहुंची रंजिश

ग्रामीणों ने बताया है कि दोनों पक्षों के बीच पहले दोस्ती थी। दोनों का एक-दूसरे के घरों में आना-जाना भी था। कार्यक्रमों में शामिल भी होते थे, कुछ महीनों से दोनों पक्षों में अनबन शुरू हो गई। धीरे-धीरे गुटबंदी बढ़ती गई। आठ जून को भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। शुक्रवार को मामूली कमेंटबाजी के बाद बड़ी संख्या में लोग जुटे और पुरानी रंजिश ने फायरिंग व पथराव का रूप ले लिया।

Aligarh News: जीटी रोड पर तीन वाहनों की भिड़ंत से मची अफरा-तफरी, मदद के लिए दौड़ लोग

जीटी रोड पर तीन वाहनों की भिड़ंत के बाद ऑटो व बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद के लिए दौड़ पड़े। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस से अकराबाद सीएचसी भेजा। यहां से चिकित्सकों ने जीतू को जेएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। रक्षाबंधन पर खेड़ा नारायण सिंह के पास दोपहर को ऑटो ने बाइक में टक्कर मार दी। इसी दौरान पीछे से आ रही रोडवेज बस ने ऑटो व बाइक को टक्कर मार दी। इससे ऑटो सड़क पर पलट गया। दुर्घटना में बाइक सवार के अलावा ऑटो में सवार पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी में भर्ती कराया। थाना चंडौस क्षेत्र के गांव जहराना निवासी ब्रजेश देवी पत्नी जीतू ने बताया कि शुक्रवार को वह अपने पति जीतू (32) पुत्र रामभरोसे व बेटी अदिति के साथ रक्षाबंधन पर बाइक से अकराबाद के कुआं गांव जा रहे थे। इसी बीच दोपहर करीब 12 बजे जीटी रोड स्थित गांव खेड़ा नारायण सिंह के पास सामने सड़क किनारे खड़ी दो महिलाओं ने ऑटो में बैठने के चालक को रुकने का इशारा किया और अचानक सड़क पर आकर खड़ी हो गईं।

महिलाओं को बचाने के प्रयास में ऑटो की बाइक से टक्कर हो गई। इतने में ही पीछे से आ रही बेवर डिपो की रोडवेज बस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगने से बाइक सवार जीतू व उसकी मासूम बेटी अदिति तथा ऑटो चालक भानु शर्मा निवासी कठैरा घायल हो गए। इधर, ऑटो में सवार यात्री नीतू देवी पत्नी मंटू निवासी कासिमपुर, दुष्यंत निवासी डोरी नगर अलीगढ़ गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज मिश्रा का कहना है कि दुर्घटना में घायल लोगों में उपचार के दौरान चंडौस के जीतू की मौत हो गई। अन्य घायलों का उपचार चल रहा है।

अंकित बालियान हत्याकांड: 66 सेकंड की फुटेज में कत्ल का मंजर, 22 सेकंड में खत्म हुई जिंदगी; सामने आए दो वीडियो

शामली में हुए सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड में दो सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। 66 सेकंड की फुटेज में हत्या का मंजर दिखाई दे रहा है। 22 सेकंड में अंकित बालियान की जिंदगी खत्म हो गई। जिम से निकलते ही चार हमलावरों ने अंकित को घेर लिया। वारदात को अंजाम देकर हथियार लहराते हुए भाग गए।हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड की दो सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद वारदात की पूरी तस्वीर धीरे-धीरे साफ हो रही है। एक मिनट छह सेकंड की फुटेज में जिम से बाहर निकलने से लेकर हमलावरों की फायरिंग और उनके फरार होने तक का घटनाक्रम कैद है।वहीं, दूसरी करीब पांच मिनट चार सेकंड की फुटेज में वारदात के बाद घटनास्थल पर जुटी भीड़, लोगों की बातचीत और मौके का माहौल दिखाई दे रहा है। पहली फुटेज में सबसे खौफनाक बात यह सामने आती है कि हमलावरों ने महज 22 सेकंड के भीतर अंकित को गोलियों से छलनी कर दिया।

भागने के बाद फिर लौटे हमलावर

फुटेज में हमलावर कुछ दूरी तक जाने के बाद दोबारा अंकित की ओर लौटते दिखाई देते हैं। इसके बाद फिर फायरिंग की जाती है। फिर चारों हथियार लहराते और गाली-गलौज करते हुए मौके से फरार हो जाते हैं। पुलिस के अनुसार, फुटेज में सुनाई दे रही बातचीत में हरियाणवी लहजा नजर आ रहा है। हमलावर वारदात के दौरान अंकित को ललकारते हुए भी दिखाई सुनाई दे रहे हैं। पुलिस आवाज और फुटेज दोनों को जांच का हिस्सा बना रही है।

हत्या के बाद फोन पर दी काम पूरा होने की जानकारी

सीसीटीवी फुटेज में हमलावर वारदात के बाद बैग लेकर मौके से आसानी से जाते हुए नजर आ रहे हैं। फुटेज में एक हमलावर हत्या करने के बाद फोन पर किसी से बात करता हुआ भी दिखाई दे रहा है। आशंका है कि वह फोन पर किसी को वारदात की जानकारी देते हुए 'काम पूरा हो गया' जैसी बात कह रहा था। पुलिस फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान और उनकी गतिविधियों की जांच में जुटी है।

कार के पास पहुंचते ही चार युवकों ने घेरा

सीसीटीवी में अंकित बालियान जिम से बाहर निकलकर अपनी कार के पास पहुंचता दिखाई देता है। वह कार में बैग रखता है और दूसरी तरफ से बैठने की कोशिश करता है। इसी दौरान चार युवक पैदल उसकी ओर आते हैं। अंकित कुछ समझ पाता, इससे पहले ही चारों उसे घेर लेते हैं और पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर देते हैं। फायरिंग के दौरान अंकित की ओर से हमलावरों को ललकारने की आवाज भी सुनाई देती है। इसके बाद हमलावर दोबारा गोलियां चलाते हैं। वारदात में 20 से अधिक राउंड फायर किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस फुटेज के आधार पर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ रही है।

यूपी: प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ा अपडेट, इस महीने का बिल आठ प्रतिशत कम आएगा; जानें वजह

उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को सितंबर में बड़ी राहत मिलेगी। बिजली बिल के ईंधन एवं बिजली खरीद समायोजन अधिभार में 7.93 प्रतिशत की कमी की गई है। इससे उपभोक्ताओं को करीब 604 करोड़ रुपये का लाभ होगा। जुलाई और अगस्त के बाद सितंबर में सबसे अधिक राहत मिलने की उम्मीद है।प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के बिल में सितंबर माह में 7.93 फीसदी की कमी होगी। इस संबंध में पावर कार्पोरेशन ने आदेश जारी कर दिया है। इससे उपभोक्ताओं को करीब 604 करोड़ का फायदा होगा।सितंबर माह के लिए ईंधन एवं बिजली खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) में 7.93 प्रतिशत की कमी का आदेश जारी कर दिया गया है।इससे पहले जुलाई माह में उपभोक्ताओं को 4.43 प्रतिशत और अगस्त माह में 2.92 प्रतिशत की कमी मिली थी। विद्युत नियामक आयोग द्वारा एफपीपीएएस की गणना को लेकर दिए गए स्पष्ट निर्देशों के बाद अब यह सुनिश्चित होना चाहिए कि केवल संबंधित अवधि की वास्तविक विद्युत क्रय लागत एवं अनुमन्य ट्रांसमिशन शुल्क के आधार पर ही समायोजन किया जाए।

7.93 फीसदी की कमी का आदेश जारी

उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। सितंबर महीने में बिजली बिल में पहले के मुकाबले कमी आएगी। पावर कॉरपोरेशन ने सितंबर के लिए ईंधन एवं बिजली खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) में 7.93 फीसदी की कमी का आदेश जारी किया है। इससे प्रदेश के उपभोक्ताओं को कुल मिलाकर करीब 604 करोड़ रुपये की राहत मिलने की उम्मीद है।राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि सितंबर के लिए एफपीपीएएस में 7.93 प्रतिशत की कमी का आदेश जारी हो चुका है। इसका सीधा लाभ बिजली उपभोक्ताओं को उनके बिल में मिलेगा। इससे पहले जुलाई और अगस्त में भी उपभोक्ताओं को एफपीपीएएस में राहत दी गई थी। जुलाई में 4.43 फीसदी और अगस्त में 2.92 फीसदी की कमी की गई थी। अब सितंबर में राहत बढ़कर 7.93 फीसदी हो गई है।विद्युत नियामक आयोग ने एफपीपीएएस की गणना को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। उपभोक्ता परिषद का कहना है कि बिजली बिल में समायोजन संबंधित अवधि की वास्तविक विद्युत खरीद लागत और अनुमन्य ट्रांसमिशन शुल्क के आधार पर ही किया जाना चाहिए। इससे तय नियमों के अनुसार गणना होगी और उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत का लाभ मिल सकेगा।

ब्लाइंड मर्डर सुलझा: बेटे के कत्ल में पिता और दोस्त पकड़े, डॉक्टर का बहाना कर ले गए, पत्थर से मारा; गला घोंटा

दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस ने 38 वर्षीय गुल हसन के अंधे कत्ल का मामला सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में गुल हसन के 64 वर्षीय पिता तालुकदार अंसारी और 49 वर्षीय मोहम्मद वसीम उर्फ अकरम को गिरफ्तार किया है। साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर केस को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने 38 वर्षीय गुल हसन की हत्या के आरोप में उसके पिता तालुकदार अंसारी और मोहम्मद वसीम उर्फ अकरम को गिरफ्तार किया है। गुल हसन के पिता 64 वर्षीय हैं, जबकि मोहम्मद वसीम की उम्र 49 वर्ष है। 23 अगस्त, 2026 को कालिंदी कुंज में कच्ची कॉलोनी के पास एक सुनसान कंटेनर के अंदर एक अज्ञात शव मिला था। शव के पास सिर में चोट और खून से सना एक कंक्रीट का पत्थर भी मिला था। पुलिस ने बताया कि मृतक गुल हसन सिज़ोफ्रेनिया नामक बीमारी से पीड़ित था। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने कथित तौर पर खुलासा किया कि वे उसे डॉक्टर के पास ले जाने के बहाने सुनसान कंटेनर में ले गए थे। पुलिस के अनुसार, वसीम ने गुल हसन के सिर पर पत्थर से वार किया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने मिलकर उस पर हमला किया। उन्होंने कथित तौर पर कपड़े की रस्सी से उसका गला घोंट दिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया कथित हथियार, खून से सने कपड़े और गला घोंटने वाली रस्सी बरामद कर ली है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

ऐसे की थी गुल हसन की हत्या

आरोपियों ने गुल हसन को डॉक्टर के पास ले जाने का बहाना बनाया। वे उसे कालिंदी कुंज के पास एक सुनसान कंटेनर में ले गए। वहां मोहम्मद वसीम ने उसके सिर पर पत्थर से वार किया। इसके बाद पिता तालुकदार अंसारी और वसीम दोनों ने मिलकर गुल हसन पर हमला किया। उन्होंने एक कपड़े की रस्सी से उसका गला घोंट दिया।

पुलिस ने किया खुलासा

शव मिलने के बाद साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने मृतक की पहचान गुल हसन के रूप में की। जांच के दौरान, पुलिस ने उसके पिता तालुकदार अंसारी और मोहम्मद वसीम को गिरफ्तार किया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल पत्थर, खून से सने कपड़े और रस्सी भी बरामद की है। इस मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

8वां वेतन आयोग: 2.0 फिटमेंट फैक्टर हुआ लागू, तो कितना होगा इंक्रीमेंट; कितनी बढ़ेगी सैलरी? समझें पूरा गणित

फिटमेंट फैक्टर, निश्चित अनुपात में वेतन वृद्धि

फिटमेंट फैक्टर वेतन वृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार होता है। यह कर्मचारियों के वेतनमान को पुनर्गठित करने में मदद करता है। इसके माध्यम से पुरानी वेतन संरचना को नई से जोड़ा जाता है। यह सुनिश्चित करता है कि वेतन वृद्धि एक निश्चित अनुपात में हो। सातवें वेतन आयोग में 2.57 का फिटमेंट फैक्टर इस्तेमाल किया गया था। इसके परिणामस्वरूप न्यूनतम मूल वेतन 7,000 रुपये से बढ़कर 18,000 रुपये हो गया था। सातवां वेतन आयोग 1 जनवरी 2016 में प्रभावी हुआ था। इसके 10 साल बाद आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करने की कवायद चल रही है।

8वें वेतन आयोग को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों में वेतन बढ़ोतरी की उम्मीदें तेज हैं और फिटमेंट फैक्टर 1.92 से 2.86 तक रहने के अनुमान लगाए जा रहे हैं। अगर 2.0 फिटमेंट फैक्टर लागू होता है तो न्यूनतम मूल वेतन 36 हजार हो सकता है और 1 जनवरी 2026 से एरियर मिलने की संभावना पर भी नजर है। सरकारी कर्मचारियों को 2027 चुनाव से पहले केंद्र सरकार से बड़ा तोहफा मिलने वाला है। 8वें वेतन आयोग में कर्मचारियों के न्यूनतम मूल वेतन में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना है। यदि 2.0 का फिटमेंट फैक्टर लागू होता है, तो न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपये से दोगुना होकर 36,000 रुपये हो सकता है। यह अनुमानित वृद्धि कर्मचारियों के वेतन ढांचे में भी महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी। फिटमेंट फैक्टर एक गणितीय संख्या है जो पुरानी मूल वेतन को नई मूल वेतन में बदलने का काम करती है। मौजूदा न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपये को 2.0 से गुणा करने पर 36,000 रुपये का नया मूल वेतन प्राप्त होगा। हालांकि, मूल वेतन दोगुना होने का मतलब यह नहीं है कि कुल सकल वेतन भी अपने आप दोगुना हो जाएगा। वेतन आयोग लागू होने पर भत्ते बदल जाते हैं और मौजूदा महंगाई भत्ता शून्य हो जाता है। जानकारों के अनुसार, चूंकि मौजूदा महंगाई भत्ता नए ढांचे में शामिल हो जाता है, इसलिए 2.0 गुणक से मिलने वाली वास्तविक बढ़ोतरी कुल मौजूदा कमाई में सीधे 100 फीसदी की वृद्धि से कम होगी।

यूपी: केजीएमयू के अध्ययन में बड़ा खुलासा, मसूढ़ों और फेफड़ों की बीमारी में मिला संबंध, बिगाड़ रहा सेहत

केजीएमयू के 75 लोगों पर हुए अध्ययन में पायरिया और इंटरस्टिशियल लंग डिजीज के बीच संबंध के संकेत मिले हैं। दोनों बीमारियों वाले मरीजों में सूजन से जुड़े बायोमार्कर अधिक पाए गए। शोधकर्ताओं के अनुसार, लंबे समय तक मसूड़ों की सूजन और मुंह के हानिकारक बैक्टीरिया फेफड़ों की सेहत को प्रभावित कर सकते हैं।

मसूड़ों की पुरानी बीमारी सिर्फ दांत और मुंह की समस्या नहीं है। इसका असर फेफड़ों पर भी पड़ सकता है। लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन में मसूड़ों की बीमारी पायरिया और फेफड़ों की गंभीर बीमारी इंटरस्टिशियल लंग डिजीज (आईएलडी) के बीच संबंध के संकेत मिले हैं।अध्ययन के मुताबिक, जिन लोगों को लंबे समय से पायरिया है, उनमें फेफड़ों में सूजन और सांस से जुड़ी गंभीर बीमारी का खतरा हो सकता है। अध्ययन में पायरिया और आईएलडी दोनों से जूझ रहे मरीजों की जांच की गई। इनमें शरीर में सूजन बढ़ाने वाले इंफ्लेमेटरी बायोमार्कर का स्तर अधिक पाया गया।इससे संकेत मिलता है कि मसूड़ों में लंबे समय से बनी सूजन का असर शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी पड़ सकता है। यह अध्ययन वर्ष 2026 में मोनाल्डी आर्काइव्स फॉर चेस्ट डिजीज में ऑनलाइन प्रकाशित हुआ है। टीम में डॉ. प्रेरणा एस हिरकाने, डॉ.उमेश प्रताप वर्मा, डॉ. अजय कुमार वर्मा, वे डॉ. पवित्र रस्तोगी, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव 5 और डॉ. अंजनी कुमार पाठक शामिल रहे।

75 लोगों पर किया गया अध्ययन

न केजीएमयू के पीरियोडोंटोलॉजी विभाग ने न रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग और सेंटर फॉर . एडवांस्ड रिसर्च के साथ मिलकर यह अध्ययन किया। इसमें 75 लोगों को शामिल किया गया। इनमें 25 स्वस्थ लोग, 25 क्रॉनिक पीरियोडॉन्टाइटिस और 25 आईएलडी से पीड़ित मरीज शामिल थे।केजीएमयू रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के पूर्व प्रोफेसर और लोहिया संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. अजय वर्मा ने बताया कि सभी लोगों के मसूड़ों की स्थिति की जांच की गई। इसके लिए प्लाक, मसूड़ों की सूजन, मसूड़ों के पंकिट की गहराई और दांतों से मसूड़ों के जुड़ाव जैसे मानकों को देखा गया। स्वस्थ लोगों की तुलना में दोनों बीमारियों वाले मरीजों में ये मानक ज्यादा खराब मिले।

जानें, क्या होता है इंटरस्टिशियल लंग डिजीज

इंटरस्टिशियल लंग डिजीज फेफड़ों में होने वाली बीमारी है, जिसमें फेफड़ों के ऊतकों में सूजन आ जाती है और उन पर निशान (स्कारिंग या फाइब्रोसिस) पड़ने लगते हैं। इससे फेफड़े सख्त और भारी हो जाते हैं, जिससे सांस लेने और खून में ऑक्सीजन मिलने में परेशानी होती है। इसकी वजह से मरीज में सांस फूलना, सूखी खांसी आना और बहुत ज्यादा कमजोरी व थकान के लक्षण महसूस होते हैं।

लार और खून में मिले सूजन के संकेत

मरीजों की लार और खून के नमूनों की जांच में एमएमपी-7 और एमएमपी-8 का स्तर अधिक पाया गया। वहीं, टीआईएमपी-1 में कोई खास अंतर नहीं मिला। ये तीनों आपस में जुड़े हुए बायोमार्कर का एक समूह हैं, जो शरीर में एक्स्ट्रासेल्यूलर मैट्रिक्स (कोशिकाओं का बाहरी ढांचा) में गड़बड़ी बताते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, मुंह के हानिकारक बैक्टीरिया सांस की नली तक पहुंचने और शरीर में सूजन बढ़ने से फेफड़ों पर असर पड़ सकता है।

लार और खून में मिले सूजन के संकेत

मरीजों की लार और खून के नमूनों की जांच में एमएमपी-7 और एमएमपी-8 का स्तर अधिक पाया गया। वहीं, टीआईएमपी-1 में कोई खास अंतर नहीं मिला। ये तीनों आपस में जुड़े हुए बायोमार्कर का एक समूह हैं, जो शरीर में एक्स्ट्रासेल्यूलर मैट्रिक्स (कोशिकाओं का बाहरी ढांचा) में गड़बड़ी बताते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, मुंह के हानिकारक बैक्टीरिया सांस की नली तक पहुंचने और शरीर में सूजन बढ़ने से फेफड़ों पर असर पड़ सकता है।

नेपाल बाढ़: विदेश से मदद लेने पर बालेन सरकार का यू-टर्न, लापता लोगों की तलाश में भारत समेत ये देश देंगे साथ

नेपाल ने बाढ़ के बाद विदेशी मदद से इनकार का फैसला बदल दिया है। राजनयिक दबाव के बाद भारत समेत चार देशों के विशेषज्ञों को सीमित मदद की मंजूरी मिली है। इसके साथ ही नेपाल सरकार ने विदेशी पत्रकारों के लिए भी नियम लागू किए गए हैं। नेपाल सरकार ने भोटेकोशी में आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों में अंतरराष्ट्रीय खोज और बचाव टीमों को न आने देने के अपने फैसले को बदल दिया है। यह फैसला उन देशों के राजनयिक दबाव के बाद लिया गया है, जिनके नागरिक इस आपदा के बाद से लापता हैं।

नेपाल सरकार ने पहले क्या फैसला लिया था?

सरकार ने बुधवार को कहा था कि नेपाली बचावकर्मी खोज अभियान संभालने में सक्षम हैं। विदेशी बचाव टीमों को अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, एक दिन के भीतर ही अधिकारियों ने सुरंग से बचाव कार्य, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच जैसे विशेष क्षेत्रों में सीमित अंतरराष्ट्रीय मदद लेने का फैसला किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने क्या बताया?

सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'द काठमांडू पोस्ट' को बताया, 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से हम पर भारी दबाव था कि कम से कम खोज और बचाव दलों और कुछ विशेषज्ञों को आने की अनुमति दी जाए, क्योंकि बाढ़ में उनके नागरिक भी लापता हो गए हैं। हम कुछ खास इलाकों में सीमित संख्या में विशेषज्ञों को आने की अनुमति दे रहे हैं।'

विदेश मंत्री ने क्या कहा?

विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने रॉयटर्स को बताया, 'चीन के साथ हिमालयी सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल को उन खास और तकनीकी क्षेत्रों में विदेशी मदद की जरूरत है जिनमें उसके पास विशेषज्ञता की कमी है लेकिन खोज और बचाव कार्यों के लिए उसे विदेशी मदद की जरूरत नहीं है।'

किन देशों को मिली है मंजूरी?

नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के आकलन के आधार पर, एक अंतर-मंत्रालयी समन्वय समिति ने भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया से मदद को मंजूरी दी है। इन चार देशों के विशेषज्ञ और तकनीशियन सुरंग से बचाव अभियान, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच में मदद करेंगे। राहत सहायता की पेशकश करने वाले कई अन्य देशों ने भी विशेषज्ञ टीमें भेजने की इच्छा जताई है। हालांकि, नेपाल ने ऐसी मांगों को स्वीकार नहीं किया है। काठमांडू में कम से कम दो विदेशी दूतावासों के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने अपने लापता नागरिकों का पता लगाने में मदद के लिए टीमें भेजने का बार-बार अनुरोध किया था, लेकिन उन्हें कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला।

विदेशी मीडिया के लिए नए नियम क्या है?

इसके साथ ही नेपाल सरकार ने बाढ़ की कवरेज करने वाले घरेलू और विदेशी मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू किए हैं। सूचना और संचार मंत्रालय के तहत सूचना प्रशासन और प्रेस शाखा के अनुसार, विदेशी पत्रकारों को अपने पासपोर्ट और वैध वीजा की कॉपी के साथ-साथ अपने मीडिया संस्थान से मिला अपॉइंटमेंट लेटर या एग्रीमेंट जमा करना होगा।

टीम बिना कोई चैंपियन नहीं: जरूरत पर मदद लेना कमजोरी नहीं, मजबूत सहयोगी होने के संकेत; सफल इंसान की पहचान क्या?

मियामी तट के पास अटलांटिक महासागर की तेज लहरों में 86 वर्षीय मां पानी निगलकर बेहोश हो चुकी थी। फेफड़ों में भरता पानी और थमती सांसें। बेटी ने अपनी पूरी ताकत से हाथ-पैर मारकर मां को खींचने की कोशिश की, लेकिन समंदर की ताकत के आगे उसकी हर कोशिश नाकाम हो रही थी। जब लगा कि दोनों डूब जाएंगे, तभी बेटी ने अपनी रणनीति बदली। एक हाथ से मां का सिर पानी के ऊपर रखा और दूसरा हाथ हवा में लहराते हुए पूरी ताकत से चीख पड़ी...मदद करो।

रेस्क्यू बोट के प्रशिक्षित तैराकों ने तुरंत छलांग लगाई, दोनों को पानी से निकाला और समय पर अस्पताल पहुंचाया। यह दास्तान किसी आम इंसान की नहीं, बल्कि जुनूब और दृढ़ संकल्प पर दुनिया की सबसे चर्चित बेस्टसेलर किताब लिखने वाली प्रसिद्ध साइकोलॉजिस्ट डॉ एंजेला डकवर्थ की है। डकवर्थ लिखती हैं, उस दिन मेरी और मां की जान समंदर की लहरों से अकेले लड़ने से नहीं बची, बल्कि सही समय पर मदद की गुहार लगाने से बची।

अकेले जीतने का भ्रम

समाज में थॉमस एडिसन के हजारों प्रयोगों या स्टीव जॉब्स के अकेले दम पर क्रांति लाने की कहानियां गढ़कर लोगों को यह सिखाया जाता है कि हर मुश्किल से अकेले जूझना ही मर्दानगी या असली कामयाबी है।

- रिसर्च का निष्कर्ष : दुनिया के शीर्ष सफल लोगों का गहन अध्ययन करने के बाद डकवर्थ कहती हैं, शीर्ष स्तर के सफल लोगों ने अपनी सफलता का श्रेय उन लोगों को दिया जिन्होंने मुश्किल वक्त में उनका हाथ थामा।
- मदद मांगना कमजोरी नहीं : रिसर्च से साबित हुआ है कि जो लोग सलाह और सहयोग मांगने में संकोच नहीं करते, वे अकेले जूझने वालों के मुकाबले कई गुना ज्यादा तेजी से सीखते हैं।

सफल इंसान की असली पहचान 04 व्यावहारिक कदम

पुरानी सोच (अकेले लड़ना)
सहयोग का आधुनिक मॉडल
न समझ आने पर भी चुपचाप बैठे रहना
क्लास या मीटिंग में हाथ उठाकर दोबारा पूछना
परेशानी में खुद को कमरे में बंद कर लेना
गुरु या बॉस से बिना झिझक सलाह मांगना
काम खुद करने की जिद में थक जाना
टीम से कहना कि मैं इस समस्या पर अटक गया हूं
मदद मांगने को दूसरों पर बोझ मानना
यह समझना कि लोग मदद करके ज्यादा खुश होते हैं

- ग्लोबल लीडर ने माना...अकेले हम कुछ भी नहींसबसे बड़े वेल्थ फंड के सीईओ निकोलाई टॅगेन: निकोलाई अपनी लीडरशिप किताब में अपनी निजी खूबियों से ज्यादा अपनी असिस्टेंट ग्रेटे स्टारहाइम की भूमिका को विस्तार से दर्ज करते हैं। निकोलाई कहते हैं, मैं उस पर आंख मूंदकर भरोसा करता हूं। जब वह कहती है कि मैं गलत हूं, तो मैं अपनी गलती मान लेता हूं। क्या यह स्वीकार करने में कोई शर्म है कि हमें दूसरों की मदद की जरूरत है?
- कोनन ओ'ब्रायन की हार्वर्ड स्पीच : प्रसिद्ध टीवी होस्ट कोनन ओ'ब्रायन ने हार्वर्ड के दीक्षांत समारोह में कहा था, अगर मैं आज उन सभी लोगों को यहां बुला लूं जिन्होंने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाने में मदद की है, तो पूरा शहर खचाखच भर जाएगा।

वाई कॉम्बिनेटर का स्टार्टअप मंत्र:

दुनिया की सबसे बड़ी स्टार्टअप इनक्यूबेटर फर्म वाय काम्बिनेटर कभी भी एक संस्थापक को फंड देने से बचती है। वह सह-संस्थापकों की टीम को चुनती है। फर्म के मुखिया पॉल ग्राहम के अनुसार, चाहे आप सारा काम खुद करने में सक्षम हों, फिर भी आपको ऐसे साथियों की जरूरत होती है जो गिरते वक्त आपका हौसला बढ़ा सकें।

भारतीय पेशेवरों पर संकट: अमेरिका में नौकरी गई तो 60 दिन की राहत हो सकती है खत्म, प्रस्ताव की समीक्षा पूरी

अमेरिकी सरकार ने विदेशी पेशेवरों को नौकरी छूटने के बाद मिलने वाले अतिरिक्त समय से जुड़े नियम में बदलाव की दिशा में अहम कदम उठाया है। प्रस्ताव की व्हाइट हाउस स्तर पर समीक्षा पूरी हो चुकी है, लेकिन अभी इसे सार्वजनिक नहीं किया गया है और मौजूदा व्यवस्था जारी है। आगे नियम प्रकाशित होने के बाद नागरिकों और संगठनों को अपनी राय देने का अवसर मिलेगा। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और अन्य विदेशी पेशेवरों की नौकरी खत्म होने के बाद मिलने वाली 60 दिन की विवेकाधीन राहत अवधि को समाप्त करने के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी कर ली है। इससे हजारों भारतीय कर्मचारियों और उनके परिवारों पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने 'विवेकाधीन 60 दिन की राहत अवधि समाप्त करना' शीर्षक वाला प्रस्ताव छह अगस्त को व्हाइट हाउस के सूचना और नियामक मामलों के कार्यालय को भेजा था। आधिकारिक नियामक रिकॉर्ड के अनुसार, प्रस्ताव की समीक्षा 27 अगस्त को पूरी हुई। इसमें कार्यवाही की स्थिति 'बदलाव के साथ अनुरूप' दर्ज की गई है। इसका मतलब है कि प्रस्ताव कुछ बदलावों के साथ व्हाइट हाउस की समीक्षा प्रक्रिया से आगे बढ़ गया है। हालांकि, प्रस्ताव अभी प्रकाशित नहीं हुआ है और इसके पूरे प्रावधान उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए मौजूदा 60 दिन की राहत अवधि फिलहाल लागू है।

समीक्षा पूरी होने के बाद अब आगे क्या होगा?

अगले चरण में प्रस्तावित नियम को आम तौर पर संघीय रजिस्टर में प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद लोगों और संगठनों से इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी जाएंगी। गृह सुरक्षा विभाग को इन टिप्पणियों पर विचार करने के बाद अंतिम नियम जारी करना होगा। इसके बाद ही कोई बदलाव प्रभावी हो सकेगा। इस प्रस्ताव का नियामक सूचना नंबर 1615-एडी22 है और इसे अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा द्वारा तैयार किया जा रहा है। नियामक रिकॉर्ड में इसे ऐसा प्रस्तावित नियम बताया गया है, जिसका आर्थिक प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं है और इसे लागू करने की कोई कानूनी समयसीमा नहीं है। मौजूदा नियम के तहत पात्र कर्मचारियों को नौकरी खत्म होने के बाद लगातार 60 दिनों तक या उनके अधिकृत प्रवास की अवधि खत्म होने तक, इनमें से जो अवधि कम हो, उतनी राहत मिल सकती है।

एच-1बी लाभार्थियों में सबसे ज्यादा भारतीय

इस अवधि में प्रभावित कर्मचारी ऐसे नए नियोक्ता की तलाश कर सकते हैं, जो उन्हें प्रायोजित करने के लिए तैयार हो। वे अपनी आव्रजन स्थिति में बदलाव के लिए आवेदन कर सकते हैं या अमेरिका छोड़ने की तैयारी कर सकते हैं। यह प्रावधान एच-1बी, एल-1, ओ-1 और कई अन्य अस्थायी रोजगार वीजा धारकों पर लागू होता है। एच-1बी लाभार्थियों में भारतीय नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है। ऐसे में अगर प्रशासन इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाता है तो भारतीय पेशेवरों के सामने विशेष रूप से अनिश्चितता पैदा हो सकती है। एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईवासी और प्रशांत द्वीपवासी मामलों पर राष्ट्रपति की सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य अजय जैन भूटोरिया ने प्रस्तावित बदलाव की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत अवधि को खत्म करने के बजाय बढ़ाया जाना चाहिए।

भारतीय समुदाय ने की प्रस्तावित बदलावों की आलोचना

भूटोरिया ने कहा, ''मैं गृह सुरक्षा विभाग की इस प्रस्तावित नीति की कड़ी निंदा करता हूं और इसका विरोध करता हूं। 60 दिन की राहत अवधि खत्म करना अमानवीय और व्यावहारिक रूप से असंभव है। जब किसी उच्च कौशल वाले कर्मचारी को अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब भी 60 दिन का समय बहुत कम था। इस सुरक्षा को पूरी तरह खत्म करने से हजारों कानून का पालन करने वाले लोगों के पास अपनी जिंदगी समेटने के लिए बिल्कुल भी समय नहीं बचेगा।''उन्होंने चेतावनी दी कि अचानक नौकरी खत्म होने के बाद प्रभावित परिवारों के पास अपना घर, बच्चों की पढ़ाई और अन्य निजी मामलों को संभालने के लिए पर्याप्त समय नहीं हो सकता है। भूटोरिया ने कहा कि 2023 में उन्होंने राष्ट्रपति की सलाहकार समिति से राहत अवधि को 60 दिन से बढ़ाकर 180 दिन करने की सिफारिश को सर्वसम्मति से मंजूरी दिलाई थी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में भर्ती प्रक्रिया में अक्सर कई चरणों में साक्षात्कार होते हैं। इसके बाद नए नियोक्ता के पास कर्मचारी की आव्रजन स्थिति स्थानांतरित करने के लिए जरूरी कागजी कार्रवाई भी करनी पड़ती है।

रातोंरात अमेरिका छोड़ने को मजबूर हो जाएंगे पेशेवर : अजय जैन भूटोरिया

भूटोरिया ने कहा, ''नौकरी से निकाले गए एच-1बी कर्मचारियों के लिए 60 दिन की राहत अवधि खत्म करना एक बड़ा कदम पीछे जाने जैसा है। जब मैंने मार्च 2023 में राष्ट्रपति की सलाहकार समिति के सामने इस अवधि को बढ़ाकर 180 दिन करने की सिफारिश रखी थी, तो वह कंपनियों में होने वाली भर्ती की वास्तविक स्थिति पर आधारित थी। कई चरणों वाले साक्षात्कार और वीजा स्थानांतरण की कागजी प्रक्रिया पूरी होने में महीनों लग जाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस अवधि को पूरी तरह खत्म करने से कुशल भारतीय पेशेवर और उनके परिवार रातोंरात देश से बाहर जाने के लिए मजबूर हो जाएंगे। मैं अमेरिका भर के सामुदायिक संगठनों और कारोबारी नेताओं से अपील करता हूं कि वे इस नियम के खिलाफ आवाज उठाएं और संघीय रजिस्टर में सार्वजनिक टिप्पणियां शुरू होते ही अपनी आपत्तियां दर्ज कराएं।''

2017 में लागू हुआ था 60 दिनों का राहत का नियम

60 दिन का यह प्रावधान जनवरी 2017 में उच्च कौशल वाले प्रवासी और गैर-प्रवासी कर्मचारियों से जुड़े व्यापक नियम के तहत प्रभावी हुआ था। यह राहत अवधि अधिकृत वैधता की प्रत्येक अवधि में एक बार दी जा सकती है। हालांकि, आव्रजन अधिकारी अपने विवेक से इसकी अवधि कम कर सकते हैं या इसे देने से इनकार कर सकते हैं। एच-1बी कार्यक्रम के तहत अमेरिकी नियोक्ताओं को ऐसे विशेष क्षेत्रों में विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति मिलती है, जिनमें उन्नत ज्ञान की आवश्यकता होती है। तकनीकी कंपनियां एच-1बी कार्यक्रम का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करती हैं। भारतीय नागरिक लगातार मंजूर किए गए एच-1बी लाभार्थियों में बड़ी संख्या में शामिल रहे हैं।

न्यूयॉर्क: मोहन भागवत ने किया इस्कॉन मंदिर का दौरा, लोगों में उत्साह; विरोध करने वाला यूएससीआईआरएफ क्या बोला?

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका दौरे के बीच न्यूयॉर्क में उनका 26 सेकंड एवेन्यू जाना चर्चा में रहा। यह वही स्थान है जहां स्वामी प्रभुपाद ने इस्कॉन का पहला मंदिर स्थापित किया था। भागवत ने जरूरतमंद और बेघर लोगों के लिए आयोजित भोजन वितरण कार्यक्रम में भी भाग लिया।

न्यूयॉर्क के 26 सेकंड एवेन्यू पहुंचे मोहन भागवत

अमेरिका के न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस बीच मोहन भागवत ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में 26 सेकंड एवेन्यू का दौरा किया। इसी स्थान पर स्वामी प्रभुपाद ने पहला इस्कॉन मंदिर स्थापित किया था। इस दौरान भागवत ने शहर में बेघर लोगों की मदद के लिए आयोजित भोजन वितरण अभियान में भी हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क के 26 सेकंड एवेन्यू पर इस्कॉन की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने के मौके पर समारोह हो रहा है। वहीं, मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को लेकर अमेरिका की विश्व हिंदू परिषद की अध्यक्ष तेजल शाह ने कहा, ''यह ऐसा आयोजन है, जो बहुलता, विविधता में एकता और पूरे समुदाय के एक साथ आने का संदेश देता है। हम केवल रक्षाबंधन का त्योहार ही नहीं मना रहे हैं, बल्कि यह भी जता रहे हैं कि समुदाय का हर सदस्य एक-दूसरे के साथ किस तरह संबंध रख सकता है।''

न्यूयॉर्क में रक्षाबंधन के कार्यक्रम में शामिल होंगे आरएसएस प्रमुख?

तेजल शाह ने आगे कहा, ''इसके नतीजतन हम आने वाले समय में दुनिया को बेहतर जगह बना सकते हैं। संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि आगे आएं, मतभेदों को एक तरफ रखें, मानवता के लिए मिलकर काम करें और बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करें।'' आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ मुलाकात करेंगे और रक्षाबंधन के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

यूएससीआईआरएफ क्यों चाहता है भागवत के साथ बातचीत?

लॉस एंजिलिस में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के साथ खुले संवाद की संभावना पर अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के आयुक्त डॉ. आसिफ महमूद ने कहा, ''अगर ऐसा कोई अवसर मिलता है तो मैं निश्चित रूप से उनके साथ बैठकर बातचीत करने के लिए तैयार हूं। अगर इसकी व्यवस्था की जा सकती है तो हमें उनके साथ बैठकर बातचीत करने और अधिक जागरूकता पैदा करने में खुशी होगी।''उन्होंने कहा, ''हो सकता है कि कुछ आश्वासन और गारंटी हों, जो वे दे सकते हैं और इससे हमारी सोच बदल सकती है। हमारा लक्ष्य उनके साथ बैठकर बातचीत करना है।'' आसिफ महमूद ने आगे कहा, ''एक देश के तौर पर मेरे मन में भारत के लिए सम्मान है, लेकिन हमारी जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन नफरत पैदा कर रहे हैं और धार्मिक स्वतंत्रता के साथ-साथ मौलिक मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं।''

तेल आयात खर्च में 1.84 लाख करोड़ की बढ़ोतरी: खाड़ी देशों में दागी गई हर मिसाइल का खर्च सीधा आपसे जुड़ा, कैसे?

शुद्ध रूप से यह बोझ 14.4 अरब डॉलर (करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये बैठता है, जो देश की कुल जीडीपी के 0.38 फीसदी या 1.4 दिन की राष्ट्रीय आय के बराबर है। यूरोपीय संघ (78 अरब डॉलर) और चीन (35 अरब डॉलर) के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे ज्यादा प्रभावित आयातक देश है।

अकेले कच्चे तेल पर ही भारत को 20.5 अरब डॉलर अतिरिक्त चुकाने पड़े, क्योंकि इस दौरान ब्रेंट क्रूड का औसत भाव 93 डॉलर प्रति बैरल रहा, जो 1990 के खाड़ी युद्ध के बाद से तेल की कीमतों में आया सबसे लंबा और मजबूत झटका है।

अगर आपको लगता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान युद्ध की आहट केवल अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का विषय है, तो अपनी सोच को बदल लीजिए। खाड़ी देशों में दागी गई हर मिसाइल और समुद्र में फंसे हर तेल टैंकर का सीधा बिल आपकी जेब, रसोई के बजट और मासिक बचत से कटता है।सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के ताजा विश्लेषण के अनुसार, मार्च से अगस्त 2026 के छह महीनों में होर्मुज संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में आए उछाल ने भारत के ईंधन (कच्चा तेल, गैस व एलएनजी) आयात बिल में 22 अरब डॉलर यानी करीब 1.84 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त लागत जोड़ दी है।

क्या फिर से बढ़ेंगे पेट्रोल और डीजल के दाम

यदि संकट लंबा खिंचता है, तो कंपनियों को घाटे से उबारने के लिए खुदरा बाजार में 3 से 5 रुपये प्रति लीटर की चरणबद्ध मूल्य वृद्धि सरकार की मजबूरी बन सकती है। यदि क्रूड 95 से डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना रहता है, तो कीमतों में फेरबदल करने का दबाव तेजी से बढ़ेगा।

अमेरिका पहुंचीं वित्त मंत्री सीतारमण: जी-20 बैठक से निवेशकों तक पर होगी नजर, छह दिन के दौरे में और क्या-क्या?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कनाडा के बाद छह दिन के अमेरिका दौरे पर हैं। उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत में निवेश के अवसर बढ़ाना, अमेरिका के साथ आर्थिक और वित्तीय संबंध मजबूत करना और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों पर भारत का पक्ष रखना है। आईए जानते हैं उनके इस दौरे के कार्यक्रम के बारे में। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण छह दिन के दौरे पर अमेरिका पहुंची हैं। इस दौरान वह जी-20 वित्त मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगी। निवेश के मौकों पर चर्चा करने के लिए सीईओ और बिजनेस लीडर्स के साथ बातचीत करेंगी।कनाडा की तीन दिन की यात्रा के बाद सीतारमण गुरुवार को शिकागो के ओ'हेयर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचीं, जहां उन्होंने पहली भारत-कनाडा आर्थिक और वित्तीय वार्ता में हिस्सा लिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय दूतावास की डिप्टी चीफ ऑफ मिशन नामग्या सी. खम्पा और शिकागो में भारत के कॉन्सल जनरल सोमनाथ घोष ने उनका स्वागत किया।

शिकागो यूनिवर्सिटी के पोल्स्की सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन का भी दौरा करेंगी।

वह एंटरप्रेन्योरशिप, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी के कमर्शियलाइजेशन और भारत के तेजी से बढ़ते स्टार्टअप और **इनोवेशन इकोसिस्टम के साथ संबंध मजबूत करने पर बात करेंगी।**

शिकागो में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत करेंगी।

नॉर्थ कैरोलिना के ऐशविले में होने वाली जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (FMCBG) की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भी करेंगी।

यह बैठक अमेरिका की अध्यक्षता में हो रही है।

31 अगस्त और 1 सितंबर को होने वाली इस बैठक में जी-20 सदस्य देशों के वित्त मंत्री, केंद्रीय बैंक गवर्नर और वरिष्ठ आर्थिक अधिकारी शामिल होंगे।

वे प्रमुख वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

यह बैठक 29 और 30 अगस्त को होने वाली जी-20 वित्त और केंद्रीय बैंक के डिप्टी अधिकारियों की बैठक के बाद होगी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, जी-20 फाइनेंस ट्रैक में भारत की भागीदारी वैश्विक आर्थिक विकास और स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहयोग और उभरती व विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण अन्य मुद्दों पर चर्चा में योगदान के लिए एक अहम मंच है। इस भागीदारी से भारत को मौजूदा वैश्विक आर्थिक चुनौतियों पर अपने विचार रखने और जी-20 सहयोगियों के साथ सहयोग मजबूत करने का मौका भी मिलेगा।

एक्सप्लेनर: 22,000 करोड़ का मामला 6.5 करोड़ में निपटा सुभाष चंद्रा मामले में कैसे चली देनदारी पर कैंची?

नुकसान सहने का उदाहरण हाल में बैंक ऑफ बड़ौदा मामले में भी देखने को मिला था। यूएई के चर्चित एनएमसी हेल्थकेयर घोटाले में 4 अरब डॉलर का कर्ज छुपाने के आरोप लगे थे। आइए जानते हैं कि कॉरपोरेट विवादों को बट्टे खाते में डालने पर क्यों उठ रहे हैं सवाल? आखिर एचडीएफसी बैंक क्यों कर रहा है विरोध? नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की दिल्ली बेंच द्वारा एस्सेल समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा के पर्सनल इनसॉल्वेंसी मामले में दिए गए ताजा आदेश ने भारतीय बैंकिंग और कॉरपोरेट जगत के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके बाद देश की नियामकीय प्रक्रियाओं को लेकर नई बहस छिड़ गई है। क्या भारत में नुकसान सहकर ऐसे मामले दबाने की परंपरा बनती जा रही है?कॉरपोरेट देनदारियों और भारी नुकसान पर समझौते का यह कोई पहला मामला नहीं है। भारतीय बैंकिंग तंत्र में विवादों और चूक को भारी रकम चुकाकर निपटाने की एक लंबी परिपाटी रही है।

बड़े डिफॉल्टरों के लिए खुल सकता है नया रास्ता?

- 99.97% का हेयरकट और सिर्फ 6.5 करोड़ भुगतान
- बैंकिंग व्यवस्था पर उठ रहे सवाल
- कर्ज देने वाले कई संस्थानों ने जताई आपत्ति

बैंकिंग और दिवालिया कानून के लिए क्या खतरे?

यह फैसला अन्य बड़े डिफॉल्टर प्रमोटरों के लिए एक रास्ता खोलता है, जहां कंपनी का प्रमोटर या सीईओ भारी कर्ज के बदले पर्सनल गारंटी देकर बाद में नाममात्र की रकम चुकाकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकता है। यह फैसला दिखाता है कि जिस पर्सनल गारंटी को बैंक सबसे बड़ा सुरक्षा कवच मानते थे, वह व्यावहारिक रूप से बेअसर साबित हो रही है। यदि सरकार कानून में संशोधन नहीं करती या उच्च अदालतें इस पर दखल नहीं देती हैं, तो यह क्रेडिट अनुशासन और बैंकिंग व्यवस्था के लिए बड़ा झटका होगा।

पूरा मामला कैसे शुरू हुआ?

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने सुभाष चंद्रा के खिलाफ कर्जदाताओं के 22,000 करोड़ रुपये से अधिक के इनसॉल्वेंसी दावे को मात्र 6.5 करोड़ रुपये में सेंटल करने का आदेश दिया। यह इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के इतिहास का सबसे बड़ा हेयरकट (करीब 99.97%) है। रीपेमेंट प्लान के पक्ष में 80 फीसदी से अधिक कर्जदाताओं ने बोट देकर इसे स्वीकार किया।

6.5 करोड़ रुपये का टोकन क्यों?

दिवालिया कानून के तहत पर्सनल गारंटी को कॉरपोरेट डिफॉल्ट से अलग रखकर डील करने का प्रावधान है। सुभाष चंद्रा ने इस कानूनी व्यवस्था का लाभ उठाया। अपनी व्यक्तिगत संपत्ति से मात्र 6.5 करोड़ रुपये का टोकन भुगतान देकर वे हजारों करोड़ की पर्सनल गारंटी की देनदारी से कानूनी तौर पर बरी हो गए।

नुकसान किसका हुआ?

डूबी हुई रकम आम जनता और जमाकर्ताओं की बचत थी, जो बैंकों के जरिये कर्ज के रूप में दी गई थी। बैंकों को इस भारी नुकसान की भरपाई अपनी पूंजी से प्रोविजनिंग के माध्यम से करनी पड़ेगी।

एचडीएफसी और एलआईसी क्यों कर रहे विरोध?

एचडीएफसी बैंक, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, केनरा बैंक, एक्सिस बैंक, यूनियन बैंक और आरबीएल बैंक इसके विरोध में हैं। तर्क है कि अगर हजारों करोड़ के बकाये पर पर्सनल गारंटर से महज चंद करोड़ ही वसूले जाएंगे, तो भविष्य में पर्सनल गारंटी लेने का कोई व्यावहारिक या कानूनी मतलब नहीं रह जाएगा।

जेरोधा सीईओ की पत्नी ने रक्षाबंधन पर भाई को दिए शेयर: कामथ क्या बोले? सोशल मीडिया पर मिले मजेदार रिएक्शन

पत्नी के रिटर्न गिफ्ट पर क्या बोले नितिन कामथ?

कामथ ने अपनी पोस्ट के साथ सीमा की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह मेज पर लैपटॉप के साथ बैठी नजर आ रही हैं। उन्होंने सीमा के फैसले के बारे में लिखा, ''मैं अब भी रक्षाबंधन पर वापसी के तोहफे की परंपरा को नहीं समझ पाया हूं। लेकिन सीमा समझती हैं; वह इस साल अपने भाई को शेयर दे रही हैं।' रक्षाबंधन के तोहफे आमतौर पर ऐसी चीजें होते हैं जिन्हें पैक किया जा सके, खोला जा सके और तुरंत इस्तेमाल या आनंद लिया जा सके। चॉकलेट खा ली जाती है, कपड़े समय के साथ भुला दिए जा सकते हैं और कॉफी मग पहले से भरी रसोई की अलमारी का हिस्सा बन सकते हैं। शेयर इससे बिल्कुल अलग तरह का तोहफा है।सोशल मीडिया पर यूजर्स ने दिए मजेदार रिएक्शन

हालांकि, शेयर बाजार से जुड़े जोखिम भी होते हैं और शेयरों की कीमत बढ़ या घट सकती है। इसलिए मिठाई के डिब्बे के विपरीत इस बात की कोई गारंटी नहीं होती कि समय के साथ यह तोहफा अधिक मूल्यवान हो जाएगा। इसके बावजूद सोशल मीडिया मंच एक्स पर कई लोगों को यह विचार पसंद आया। कामथ की पोस्ट पर कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी। लोगों ने इस विचार को मजेदार और मौजूदा समय के हिसाब से उपयुक्त बताया। एक यूजर ने लिखा, ''आखिरकार, ऐसा रक्षाबंधन तोहफा जिसमें चक्रवृद्धि रिटर्न मिलेगा।'' एक अन्य ने लिखा, ''हाहाहा... वह बेहतर जानती हैं।''

रक्षाबंधन के मौके पर जेरोधा के सीईओ नितिन कामथ ने अपनी पत्नी सीमा के एक दिलचस्प उपहार का जिक्र किया है। सीमा ने अपने भाई को पारंपरिक सामान देने के बजाय शेयर देने का फैसला किया। कामथ ने सोशल मीडिया पर इस बारे में पोस्ट साझा की, जिसके बाद कई यूजर्स ने इसे लेकर मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं। रक्षाबंधन पर आमतौर पर बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई अपनी बहनों को तोहफा देते हैं। हालांकि, अब बहनों की ओर से भाईयों को भी तोहफा देने की परंपरा तेजी से बढ़ी है। जेरोधा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नितिन कामथ की पत्नी सीमा ने इस बार कुछ ऐसा ही किया है। हालांकि, उनका तोहफा थोड़ा अलग है। वह अपने भाई को पारंपरिक उपहार के बजाय अपनी कंपनी के शेयर दे रही हैं। कामथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सीमा के इस अनोखे रक्षाबंधन के तोहफे के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वह अब भी रक्षाबंधन पर भाई-बहन के बीच उपहार देने की इस परंपरा को पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं। उनकी पोस्ट के बाद कई लोगों ने मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी और कहा कि इस बार चॉकलेट, कपड़े या कॉफी मग की जगह शेयर मिलना ज्यादा बेहतर होगा।

यूजर ने क्यों बताया- अच्छा निवेश?

एक अन्य ने मजाक करते हुए लिखा, ''मुझे भी कॉफी मग नहीं, शेयर मिलने चाहिए। अपनी बहनों को टैग करना पड़ेगा।'' एक अन्य यूजर ने कहा, ''शेयर शायद रक्षाबंधन पर दिए जाने वाले तोहफे का सबसे समझदार रूप हैं। चॉकलेट खा ली जाती है, कपड़े भुला दिए जाते हैं,

Gold-Silver Price: सोने की चमक फिर बढ़ी, चांदी 2.5 लाख के पार; तांबा-जिंक समेत इन धातुओं में भी बढ़े दाम

Gold-Silver Price: त्योहारों से पहले सोना-चांदी समेत औद्योगिक धातुओं के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। तांबा, एल्युमीनियम, जिंक और लेड महंगे होने से पंखे, एसी, फ्रिज, टीवी, वाहन और घर बनाने की लागत बढ़ सकती है। ऐसे में क्या आने वाले दिनों में आम लोगों की जेब पर महंगाई का बोझ और बढ़ेगा? पढ़िए रिपोर्ट-त्योहारों से ठीक पहले कमोडिटी बाजार में हलचल मची हुई है। कीमती धातुओं और औद्योगिक धातुओं दोनों में एकसाथ तेजी आ रही है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा बॉन्ड बायबैक कार्यक्रम के विस्तार के बाद डॉलर सूचकांक गिरकर 98 के स्तर पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सभी धातुओं की कीमत डॉलर में तय होती है। डॉलर कमजोर होने पर खरीदारों के बीच मेटल्स की मांग बढ़ गई है, जिसका असर कीमतों पर दिखाई दे रहा है। अगर कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो जल्द ही तमाम चीजें महंगी होंगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने ने सोमवार को 4729.70 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर छुआ। वहीं घरेलू बाजार एमसीएक्स पर सोने ने 1.43 फीसदी की तेजी के साथ 164,758 रुपये प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ। चांदी में भी लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त जारी रही। सोमवार को यह 3,500 रुपये चढ़कर 2,53,500 रुपये प्रति किलोग्राम के चार महीने से अधिक के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई। कॉमेक्स पर चांदी ने 69.66 डॉलर प्रति औंस का शीर्ष स्तर छुआ।

एल्युमीनियम और जिंक में गजब की तेजी

पिछले दो महीने में तांबा 9.68%, एल्युमीनियम 4.88 फीसदी और जिंक 15.48 फीसदी चढ़ा है। जबकि एक साल में तांबा 54.74 फीसदी, एल्युमीनियम 38.45 फीसदी, लेड 9.24 फीसदी और जिंक 55.46 फीसदी महंगा हुआ है।

The Bonus Market Update: शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, शुरुआती तेजी के बाद सेंसेक्स और निफ्टी सपाट

भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने गुरुवार को तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और एनवीडिया के मजबूत नतीजों से बाजार को समर्थन मिला। हालांकि, शुरुआती बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिकी और सूचकांक जल्द ही नकारात्मक दायरे में फिसल गए। ऑटो और सीमेंट शेयरों पर दबाव साफ देखा गया।निफ्टी 24,277.60 पर खुला और रिपोर्टिंग के समय 24,194.40 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद स्तर 24,207.75 से 13.35 अंक या 0.06 फीसदी नीचे था। इसी तरह, सेंसेक्स 77,576.76 पर खुला और 77,452.09 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद स्तर 77,472.94 से 20.85 अंक या 0.03 फीसदी नीचे था। अधिकांश व्यापक बाजार सूचकांक सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। हालांकि, क्षेत्रवार निफ्टी ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, सीमेंट और पीएसयू बैंक सूचकांक शुरुआती कारोबार में लाल निशान में थे। कमोडिटी बाजार में ब्रेंट क्रूड करीब 87.39 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर था, जबकि कच्चा तेल करीब 81.82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

एनएसई पर बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, बीईएल, एटरनल, ओएनजीसी, टाटा स्टील, इंफोसिस, रिलायंस, सिप्ला, अदाणी पोर्ट्स और ट्रेंट शीर्ष लाभ वाले शेयरों में शामिल थे। वहीं, एचडीएफसी बैंक, हिंडाल्को, ग्रासिम, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, कोल इंडिया, टीसीएस और मारुति शीर्ष नुकसान वाले शेयरों में रहे। बीएसई पर टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बीईएल और एटरनल शीर्ष लाभ वाले शेयर थे। एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, हिंडाल्को, टीसीएस, मारुति और इंडिगो शीर्ष नुकसान वाले शेयरों में शामिल थे।बाजार विश्लेषक विपिन डिक्सना के अनुसार, आज की शुरुआत "उत्साहजनक" थी, क्योंकि निफ्टी ने कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और एनवीडिया के मजबूत नतीजों के कारण सकारात्मक रुख के साथ शुरुआत की। उन्होंने कहा कि अब यह देखना होगा कि बाजार इस शुरुआती बढ़त को बनाए रख पाता है या नहीं। डिक्सना ने बताया कि कल की कमजोरी मुख्य रूप से आईटी शेयर और रिलायंस के कारण थी।

क्या अमाल मलिक को हो रहा पछतावा?

फरहाना भट्ट से मांगी माफी बिग बॉस 19 से जुड़ा है मामला

Amaal Mallik: हाल ही में अमाल मलिक ने फरहाना भट्ट को लेकर एक बयान दिया था। ऐसा लगता है कि अब उन्हें इसका पछतावा है। उन्होंने इस मामले पर बात की है। म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने फरहाना भट्ट के साथ अपनी दोस्ती को लेकर चल रही अटकलों पर बात की। बिग बॉस 19 में साथ रहने के बाद, अमाल और फरहाना ने 'यहीं गुजार दूं' नाम के एक म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। अब, म्यूजिक कंपोजर ने अपनी बिग बॉस 19 की साथी कंटेस्टेंट से अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है। एक्स पर अमाल मलिक ने एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने फरहाना और उनके फैनबेस के बारे में अपनी पिछली पोस्ट का जिक्र किया। बिग बॉस 19 कंटेस्टेंट ने माना कि एक्ट्रेस के बारे में उनका एक बयान सही नहीं था। उन्होंने लिखा

- मैंने एक बात गलत कही थी, 'तुम्हें 100 पुरुषों के साथ जोड़ने' वाली बात बकवास थी, जो गुस्से में निकल गई थी।
- हां, यह तुम्हारे नाम का अनादर था। मुझे सच में अफसोस है।

मैं तुम्हें हर उस बेवकूफ के लिए जिम्मेदार नहीं मानता जो तुम्हारा फैन होने का दावा करता है।
फरहाना के बारे में मेरा बयान गलत, अनावश्यक और अनादरपूर्ण था।
मैं उसके लिए माफी मांगता हूं।
उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने वह पिछली पोस्ट एक्ट्रेस के फैनबेस के एक हिस्से की तरफ से महीनों तक उकसाने, अपमानित करने, एडिट्स और धमकियों के बाद लिखी थी।

सीक्रेट रोमांस की थ्योरी को खारिज किया

अमाल ने फरहाना के साथ अपने सीक्रेट रोमांस की थ्योरी को खारिज कर दिया। बिग बॉस 19 के कंटेस्टेंट ने बताया कि म्यूजिक वीडियो रिलीज होने के बाद से वह और अभिनेत्री एक-दूसरे से नहीं मिले हैं। हालांकि उन्होंने मिलने की योजना बनाई थी, लेकिन अपने प्रोफेशनल कामों की वजह से ऐसा कभी नहीं हो पाया। एक और ट्वीट में, उन्होंने फरहाना के लिए एक मैसेज शेयर किया। म्यूजिक कंपोजर ने उन्हें और बिग बॉस 19 के दूसरे कंटेस्टेंट्स को शुभकामनाएं दीं। हालांकि, उन्होंने बिना किसी कड़वाहट के आभार और विनम्रता के साथ अपनी दोस्ती को खत्म करने का फैसला किया।
आखिर में, अमाल ने बताया कि बिग बॉस 19 से जुड़ा यह उनका आखिरी पोस्ट था। उन्होंने वादा किया कि वे जल्द ही नेटिजन्स से फिर जुड़ेंगे और शायद उनके साथ बिग बॉस का अगला सीजन भी देखेंगे। आपको बता दें कि फैंस अमाल मलिक का नाम फरहाना के साथ जोड़ रहे थे।

दिल चाहता है' के 25 साल पूरे आमिर खान समेत

स्टारकास्ट ने मनाई सालगिरह सैफ ने फरहान को लेकर कही ये बात

Dil Chahta Hai: आमिर खान, अक्षय खन्ना और सैफ अली खान की अदाकारी वाली फिल्म 'दिल चाहता है' के 25 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर फिल्म की स्टारकास्ट ने इसकी 25वीं सालगिरह मनाई। बॉलीवुड की मशहूर फिल्म 'दिल चाहता है' ने रिलीज के 25 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म की रिलीज की 25वीं सालगिरह मनाने के लिए इसकी स्टारकास्ट मुंबई में एक साथ जमा हुई। इस मौके पर फिल्म के मुख्य कलाकार, सैफ अली खान और आमिर खान मौजूद रहे। हालांकि इस मौके पर अक्षय खन्ना नजर नहीं आए।
साथ दिखे ये कलाकार
फरहान अख्तर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2001 में बॉक्स ऑफिस पर कमर्शियल तौर पर हिट रही थी। फिल्म में आमिर खान, अक्षय खन्ना, सैफ अली खान, प्रीति जिंटा, सोनाली कुलकर्णी और डिंपल कपाड़िया मुख्य भूमिकाओं में थे। यह रीयूनियन फिल्म की रिलीज की सिल्वर जुबली मनाने के लिए आयोजित किया गया था।
सैफ ने की फरहान की तारीफ
सैफ ने पहले भी निर्देशक के तौर पर फरहान की पहली फिल्म के लिए उनके काम की तारीफ की थी। 'वैरायटी इंडिया' के साथ बातचीत में सेट पर अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'हम ज्यादातर समय हंसते रहते थे क्योंकि फरहान हर चीज को बहुत हल्के-फुल्के अंदाज में लेते थे। सेट पर उनकी सहजता को देखकर ऐसा लगता था जैसे वे निर्देशक बनने के लिए ही पैदा हुए हों। सच कहूं तो, कोई तनाव नहीं था।' यह फिल्म आकाश, समीर और सिड की दोस्ती के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरते हैं। समीर, जो प्यार में बहुत यकीन रखता है, एक रिश्ते से दूसरे रिश्ते में जाता रहता है, जबकि आकाश प्यार के विचार को ही नकार देता है, जब तक कि उसकी मुलाकात शालिनी (प्रीति जिंटा) से नहीं होती। वहीं दूसरी ओर, सिड की नजदीकी तारा (डिंपल) के साथ बढ़ती है, जो उससे उम्र में बड़ी है। असल में, 'दिल चाहता है' उन तीन दोस्तों और बड़े होने के साथ उनके रिश्तों में आए बदलावों की कहानी थी। उनकी गोवा रोड ट्रिप, प्यार और दोस्ती पर बातचीत और बाद में उनके बीच आई दूरियां फिल्म के सबसे यादगार पलों में से कुछ बन गए। समय के साथ, फिल्म को शुरुआती प्रतिक्रिया से कहीं ज्यादा लोकप्रियता मिली और यह एक 'कल्ट क्लासिक' बन गई

क्या 'टॉक्सिक' को मिला रक्षाबंधन का फायदा?100 करोड़ पार हुई 'इरुमुडी' जानें 'हनुमान अंश' का कलेक्शन

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

Toxic Box Office Collection: फिल्म 'टॉक्सिक' की कमाई पहले के मुकाबले घटी है। हालांकि इसने तीन दिनों में 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। जानिए रक्षाबंधन के दिन 'इरुमुडी', 'हनुमान अंश' और 'आवारापन 2' ने कितनी कमाई की है। यश की फिल्म 'टॉक्सिक' को रिलीज हुए तीन दिन हो गए हैं। पहले दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बवाल काटा और इसकी कमाई 100 करोड़ रुपये से भी ज्यादा हुई। दूसरे दिन इसके कलेक्शन में गिरावट आई। तीसरे यानी रक्षाबंधन के दिन इस फिल्म ने अच्छी कमाई की मगर इसके कलेक्शन में गिरावट देखने को मिली। जानिए इस फिल्म के साथ 'इरुमुडी' और 'हनुमान अंश' ने कितना कलेक्शन किया है।
'टॉक्सिक' की तीसरे दिन की कमाई
गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म 'टॉक्सिक' में यश के अलावा कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा, रुक्मिणी वसंत हैं।

- पहले दिन इसने बॉक्स ऑफिस पर 101.10 करोड़ रुपये से खाता खोला।
- दूसरे दिन इस फिल्म की कमाई में गिरावट आई और इसने 36.40 करोड़ रुपये कमाए।
- तीसरे यानी रक्षाबंधन के दिन इसने 26.60 करोड़ रुपये कमाए हैं।
- इस फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 165.35 करोड़ रुपये हो चुका है।

टॉक्सिक' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन
भारत में यह फिल्म अभी अच्छी कमाई कर रही है। दुनियाभर में भी इस फिल्म ने बेहतरीन कलेक्शन किया है। भारत में फिल्म 'टॉक्सिक' ने ग्रॉस 197.70 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं दूसरे दिन ओवरसीज इसने 23.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह से इसका वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 221.45 करोड़ रुपये हो गया है। साउथ की फिल्म 'इरुमुडी' 21 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसने उम्मीद से ज्यादा अच्छा कलेक्शन किया है। फिल्म रिलीज के बाद से ही शानदार कलेक्शन कर रही है। इसमें रवि तेजा हैं सातवें दिन इसने 6.90 करोड़ रुपये कमाए थे।
आठवें दिन यानी रक्षाबंधन के दिन इसने 9.70 करोड़ रुपये की कमाई की है।
इसी के साथ इसका टोटल कलेक्शन 101.85 करोड़ रुपये हो गया है
फिल्म 'हनुमान अंश' सात अगस्त को रिलीज हुई थी। 22 दिन गुजर जाने के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। खास बात यह है कि इसकी कमाई पर नई रिलीज हुई फिल्म 'टॉक्सिक' का असर भी नहीं पड़ा है। 22वें दिन यानी रक्षाबंधन के दिन इसकी कमाई 6.50 करोड़ रुपये हुई। अब इस फिल्म का टोटल कलेक्शन ₹18.38 करोड़ रुपये हो गया है।
आवारापन 2' का कलेक्शन
दूसरे शुक्रवार यानी रक्षाबंधन पर इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की फिल्म का कलेक्शन बढ़ा है।

- पहले हफ्ते में 'आवारापन 2' ने 113.50 करोड़ रुपये कमाए।
- दूसरे गुरुवार को इसने 60 लाख का कलेक्शन किया था।
- दूसरे शुक्रवार को इसने 1.20 करोड़ रुपये कमाए हैं।
- फिल्म का कुल कलेक्शन 145.45 करोड़ रुपये हो चुका है।

रक्षाबंधन पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में

फिल्म	कमाई
स्त्री 2	₹38.1 करोड़
मिशन मंगल	₹29.16 करोड़
टॉक्सिक	₹26.6 करोड़
महावतार नरसिम्हा	₹19.5 करोड़
गदर 2	₹8.75 करोड़

आवारापन 2 (Awarapan 2): इमरान हाशमी और दिशा पाटनी स्टारर यह फिल्म सिनेमाघरों में पहले ही अपनी सफलता का झंडा गाड़ चुकी है। हालांकि 'टॉक्सिक' के रिलीज होने के बाद इसकी स्क्रीन और रफ्तार पर थोड़ा असर जरूर पड़ा है। लेकिन पिछले हफ्तों की मजबूत कमाई के दम पर फिल्म का कुल भारत में नेट कलेक्शन लगभग 145-147 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुका है और यह 150 करोड़ के बेहद करीब है।

रक्षाबंधन 2026: कंगना ने मनाया रक्षाबंधन, भाई से कही यह बात;संजय दत्त-रणबीर की बहनों ने साझा की पुरानी तस्वीर

पूरे देश में धूम-धाम के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। बॉलीवुड सेलेब्स भी अपने तरीके से इस त्योहार को मना रहे हैं। अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी अपने भाई के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक बेहतरीन पोस्ट लिखी है।

कंगना ने अपने भाई को राखी बांधते हुए तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा...
मेरे प्यारे भाई, मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि ये प्रेम का बंधन है, जो मैंने तुम्हारे हाथ पर बांधा है, ये सदा तुम्हारी रक्षा करे।
तुम हमारे माता पिता की सेवा करो। कुल की गरिमा बढ़ाओ।
पत्नी का सदा कल्याण करो। संतान की हमेशा रक्षा करो और सदा जीवन से संतुष्ट रहो।
मेरे प्यारे भाई मैं सदा तुम्हें स्वस्थ और समृद्ध देखूं।
मेरे लिए तुम मेरे माता पिता की छवि हो तुम्हारा प्रेम और संरक्षण मुझे सदा मिले।
सब भाईयों को इस अति प्रिय पर्व की बहुत शुभ कामनाएं।
रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकमनाएं।

Aaj ka Rashifal 29 August

कन्या-मीन राशि वालों को संभलकर करना होगा खर्च, करियर और कारोबार में मिलेंगे नए अवसर

Aaj Ka Rashifal 29 August 2026: ग्रह-नक्षत्रों की चाल आज सभी राशियों के जीवन पर अलग-अलग प्रभाव डालेगी। कुछ राशियों को करियर और धन के मामले में लाभ मिल सकता है, तो वहीं कुछ लोगों को रिश्तों और खर्चों को लेकर सावधानी बरतनी होगी। आइए जानते हैं मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि के लिए आज का दिन कैसा रहेगा।

Aaj Ka Rashifal 29 August 2026: 29 अगस्त, शनिवार का दिन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के लिहाज से कई राशियों के लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज कुछ जातकों को कार्यक्षेत्र में सफलता, धन लाभ और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, वहीं कुछ लोगों को पारिवारिक मामलों और आर्थिक फैसलों में संयम बरतने की जरूरत होगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन नई संभावनाएं लेकर आ सकता है, जबकि व्यापार करने वालों को अपने फैसले सोच-समझकर लेने की सलाह है। रिश्तों के लिहाज से भी आज का दिन मिला-जुला रह सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं|

मेष

आज माहौल आपके पक्ष में रहेगा और आपके अच्छे कामों की खुलकर तारीफ हो सकती है। संभव है कि मेहनत के लिए कोई सम्मान या पुरस्कार भी मिले। ऑफिस में आपकी लगन देखकर बॉस खुश रहेंगे। संतान को दी गई जिम्मेदारी वह अच्छी तरह निभाएगी और सेहत में भी सुधार महसूस होगा। हां, आपकी मदद करने की आदत को कुछ लोग गलत समझ सकते हैं। परिवार की छोटी-मोटी उलझनें प्यार और समझदारी से सुलझ जाएंगी।

वृषभ

आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन खुशियां लेकर आ सकता है। प्रमोशन या तरक्की की खबर आपका उत्साह बढ़ाएगी और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। जीवनसाथी के साथ शॉपिंग का आनंद ले सकते हैं। हालांकि किसी भी फैसले में जल्दबाजी से बचें। खासकर शेयर मार्केट या किसी बड़े निवेश में पैसा लगाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

मिथुन

आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन कई अच्छे मौके आपके सामने आ सकते हैं। नई प्रॉपर्टी खरीदने का विचार मन में जगह बना सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में ध्यान और निरंतरता बनाए रखनी होगी। किसी दोस्त की नाराजगी आपके शब्दों से जुड़ी हो सकती है, इसलिए बोलते समय थोड़ा संयम रखें। जल्दबाजी से बचेंगे तो कई परेशानियों से दूर रहेंगे। परिवार में शादी से जुड़ी अड़चन दूर होने से खुशी मिलेगी।

कर्क

आज सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के संकेत हैं। आप अपने रहन-सहन को बेहतर बनाने के लिए कुछ खर्च कर सकते हैं और संतान की कोई इच्छा पूरी करने का भी मन बनेगा। लेकिन किसी अनजान व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। राजनीति या जीवन से जुड़े बड़े फैसलों में भावनाओं के बजाय समझदारी से कदम उठाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

सिंह

आज सामाजिक स्तर पर आपकी मौजूदगी खास नजर आएगी और लोगों के बीच आपका नाम और सम्मान बढ़ सकता है। पुराने कर्ज से राहत मिलने के संकेत हैं, हालांकि आय के स्रोत मजबूत बनाए रखना जरूरी होगा। सेहत से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण फैसला ले सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही से नुकसान हो सकता है। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात कारोबार के लिए नए रास्ते खोल सकती है।

कन्या

आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। संतान के करियर या भविष्य को लेकर यात्रा करनी पड़ सकती है। आमदनी अच्छी रहे, इसके बावजूद खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। मां से किया कोई वादा भूलना परेशानी खड़ी कर सकता है। हर किसी पर तुरंत भरोसा करने के बजाय लोगों को समझकर आगे बढ़ें। बैंकिंग और निवेश से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा रह सकता है।

तुला

आज सबसे जरूरी है कि किसी भी काम में जल्दबाजी न करें। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई सौदा सोचने से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच कर लें। संतान के एडमिशन के सिलसिले में नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। किसी को उधार दिया गया पैसा रिश्तों में तनाव पैदा कर सकता है। मां की सेहत को लेकर थोड़ी अतिरिक्त सावधानी बरतना आपके लिए जरूरी रहेगा।

वृश्चिक

आज सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है। खासकर खान-पान में लापरवाही न करें। घर के रिनोवेशन या मरम्मत का काम शुरू हो सकता है, जिसमें समय और मेहनत दोनों लगेंगे। इसी वजह से दूसरे कामों में थोड़ी सुस्ती महसूस हो सकती है। ऑफिस में मनचाहा काम न मिलने से निराशा हो सकती है, लेकिन जिम्मेदारियों से पीछे हटने के बजाय उन्हें पूरा करना आपके हित में रहेगा।

धनु

आज का दिन शुभ संकेतों से भरा रहेगा। घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती है, जिससे परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। खर्च करते समय अपनी वास्तविक जरूरतों को प्राथमिकता दें। लंबे समय से अटका सरकारी काम पूरा होने की उम्मीद है। बेवजह घूमने-फिरने या दोस्तों के साथ जरूरत से ज्यादा समय बिताने से बचें, क्योंकि इससे घर या रिश्तों में अनावश्यक तनाव पैदा हो सकता है।

मकर

आज कारोबार में अच्छे लाभ के योग बन रहे हैं और आपकी योजनाएं आपको आगे ले जा सकती हैं। हालांकि किसी पर भी आंख बंद करके भरोसा करना ठीक नहीं रहेगा। परिवार में आपसी एकता और संवाद बनाए रखना जरूरी होगा। संतान आपकी किसी बात को नजरअंदाज कर सकती है, इसलिए अभी से प्यार और समझदारी से बात करें। ऑफिस में बॉस की सलाह को गंभीरता से लेना आपके करियर के लिए फायदेमंद रहेगा।

कुंभ

आज अपने घर का सपना पूरा होने की दिशा में कोई बड़ी प्रगति हो सकती है। कामकाज में आपकी मेहनत ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी, इसलिए दूसरों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर न रहें। पुरानी स्वास्थ्य समस्या को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर होगा। किसी राजनीतिक मित्र से मुलाकात हो सकती है। मां के साथ हुई बातचीत आपको किसी महत्वपूर्ण मामले में सही दिशा दिखा सकती है।

मीन

आज बहस और बेवजह की तकरार से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी। संतान की पढ़ाई को लेकर उसे बाहर भेजने का विचार बन सकता है। कारोबार में चल रही परेशानियां धीरे-धीरे कम होंगी। जीवनसाथी के लिए कोई छोटा-सा सरप्राइज प्लान करके रिश्ते में खुशियां बढ़ा सकते हैं। आपकी नई कोशिशों को सफलता मिलने के संकेत हैं। पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात बीते दिनों की अच्छी यादें ताजा कर देगी।

Aaj Ka Love Rashifal

तुला-वृश्चिक राशि वाले रहें सावधान, रिश्ते में तीसरे की दखल बढ़ा सकती है परेशानी

Today Love Horoscope: 29 अगस्त 2026 का लव राशिफल आपके प्रेम जीवन से जुड़े खास संकेत लेकर आया है। जानिए आज आपकी राशि के अनुसार प्यार, रिश्ते और रोमांस के मामले में दिन कैसा रहेगा।

Love Rashifal Today August: 29 अगस्त 2026 का लव राशिफल आपके प्रेम जीवन के लिए कई खास संकेत लेकर आया है। आज ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर आपके रिश्तों, भावनाओं और पार्टनर के साथ तालमेल पर देखने को मिल सकता है। कुछ राशि वालों के लिए प्यार में नजदीकियां बढ़ेंगी, वहीं कुछ लोगों को रिश्ते में चल रही गलतफहमियों को दूर करने का मौका मिलेगा। जो लोग सिंगल हैं, उनके जीवन में किसी खास व्यक्ति की एंट्री के संकेत भी मिल सकते हैं। वहीं शादीशुदा और रिलेशनशिप में रहने वालों के लिए आज का दिन आपसी समझ, बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करने वाला हो सकता है। आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए 29 अगस्त 2026 का आज का लव राशिफल और प्रेम जीवन से जुड़े खास ज्योतिषीय संकेत।

Janmashtami 2026

3 या 4 सितंबर को मनाई जाएगी जन्माष्टमी? जानें सही तारीख पूजा विधि और महत्व

कृष्ण जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पावन पर्व है। इस दिन भक्त व्रत रखकर बाल गोपाल की पूजा करते हैं और आधी रात को जन्मोत्सव मनाते हैं। आइए जानते हैं 2026 में जन्माष्टमी की सही तारीख, पूजा का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि।

Krishna Janmashtami 2026: कृष्ण जन्माष्टमी हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जो भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को हुआ था। इस दिन भक्त भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और आधी रात को विधि-विधान से जन्मोत्सव मनाते हैं। जन्माष्टमी को लेकर हर साल तिथि और पूजा के समय को लेकर लोगों के बीच असमंजस रहता है। ऐसे में इस साल कृष्ण जन्माष्टमी कब मनाई जाएगी, पूजा का शुभ मुहूर्त क्या रहेगा और भगवान कृष्ण की पूजा किस विधि से करनी चाहिए, आइए जानते हैं पूरी जानकारी।

सितंबर 2026 का मासिक राशिफल

बदलेगी इन राशियों की किस्मत, जानें 12 राशियों के लिए कैसा बीतेगा माह?

सितंबर माह में कई प्रमुख ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे, जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों के करियर, आर्थिक स्थिति, स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक जीवन पर अलग-अलग रूप में देखने को मिल सकता है। आइए जानते हैं 12 राशियों के लिए कैसा रहेगा सितंबर का महीना।

सितंबर 2026 ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस महीने कई प्रमुख ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे, जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों के करियर, आर्थिक स्थिति, स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक जीवन पर अलग-अलग रूप में देखने को मिल सकता है। महीने की शुरुआत 2 सितंबर को शुक्र के तुला राशि में प्रवेश से होगी। इसके बाद 7 सितंबर को बुध कन्या राशि में प्रवेश करेंगे, जहां उन्हें मजबूत स्थिति में माना जाता है। 17 सितंबर को सूर्य कन्या राशि में गोचर करेंगे, जबकि 18 सितंबर को मंगल कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। महीने के अंत में 26 सितंबर को बुध तुला राशि में गोचर करेंगे।

इसके अलावा शनि पूरे महीने मीन राशि में वक्री रहेंगे, जबकि राहु कुंभ और केतु सिंह राशि में स्थित रहेंगे। ऐसे में सितंबर का महीना कुछ राशियों के लिए करियर और आर्थिक मामलों में नए अवसर लेकर आ सकता है, वहीं कुछ राशि वालों को महत्वपूर्ण फैसले लेते समय धैर्य और सतर्कता बरतने की जरूरत होगी। ऐसे में आइए जानते हैं कि सितंबर का महीना सभी 12 राशियों के लिए कैसा रहने वाला है।

मेष राशि के जातकों के लिए सितंबर महीने की शुरुआत बेहद शानदार रहने वाली है। इस दौरान आपको सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा

आज का अंक ज्योतिष: मूलांक 5 और 9 वालों को मिलेगा धन लाभ, काम में होगी तरक्की

Numerology Prediction Today: 29 अगस्त 2026 का अंक ज्योतिष आपके लिए करियर, धन, प्रेम और सफलता से जुड़े कई महत्वपूर्ण संकेत लेकर आया है। जानिए जन्म तारीख के आधार पर आज सभी मूलांकों के लिए दिन कैसा रहेगा और कौन-सा अंक आपके लिए शुभ साबित हो सकता है।

Numerology Prediction Today: 29 अगस्त 2026 का अंक ज्योतिष आपके लिए दिनभर की कई महत्वपूर्ण संभावनाओं और बदलावों के संकेत लेकर आया है। अंक ज्योतिष में जन्म तारीख से प्राप्त मूलांक के आधार पर व्यक्ति के जीवन में आने वाले अवसरों, चुनौतियों और फैसलों के बारे में संकेत मिलते हैं। आज का दिन किसी के लिए करियर और कारोबार में तरक्की के नए रास्ते खोल सकता है|

प्रेम और रिश्तों के मामले में भी कुछ मूलांकों के लिए दिन बेहद खास रहने वाला है। अगर आप नौकरी करते हैं, व्यापार से जुड़े हैं या किसी नए काम की शुरुआत करने की योजना बना रहे हैं, तो आज के अंक आपके लिए क्या संकेत दे रहे हैं, यह जानना दिलचस्प होगा।

रक्षाबंधन: विराट कोहली ने बहन भावना के साथ मनाया राखी का त्योहार

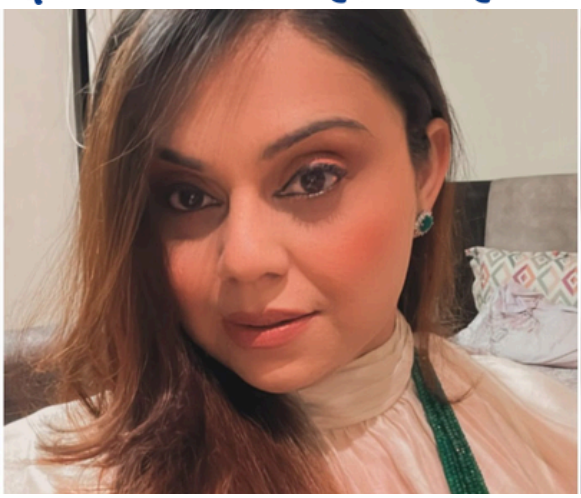

विराट कोहली ने अपनी बहन भावना के साथ रक्षाबंधन मनाया, जिसकी तस्वीर भावना ने सोशल मीडिया पर शेयर की। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अपनी बहन भावना के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। इस खास मौके पर भावना ने सोशल मीडिया पर अपने भाई के साथ तस्वीर साझा की और उनके लिए भावुक संदेश भी लिखा। भावना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर विराट कोहली को राखी बांधते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। स्टोरी में विराट के बड़े भाई विकास के साथ भावना की एक तस्वीर भी नजर आई। बहन भावना ने लिखा खास संदेश

भावना ने अपने दोनों भाइयों के लिए प्यार भरा संदेश लिखते हुए कहा, 'जिंदगी हमें चाहे जहां भी ले जाए, मेरी दुआएं हमेशा आप तक पहुंचेंगी।' रक्षाबंधन के मौके पर शेयर की गई यह पोस्ट भाई-बहन के बीच मजबूत रिश्ते को दर्शाती है। क्रिकेट की बात करें तो विराट कोहली ने अपना पिछला मुकाबला जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे में खेला था। उन्होंने 59 गेंदों पर 74 रन की शानदार पारी खेली थी। भारत को इस मुकाबले में 388 रन के लक्ष्य का पीछा करना था। तीन मैचों की वनडे सीरीज में विराट ने 48 की औसत से कुल 144 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 109.09 रहा और उन्होंने दो अर्धशतक लगाए

Pakistan: इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू से क्यों मचा बवाल? सरफराज ने पाकिस्तान बोर्ड के विवाद से किया किनारा

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान इमरान खान के बेटों के स्काई स्पोर्ट्स इंटरव्यू को लेकर विवाद खड़ा हो गया। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि PCB ने इंटरव्यू प्रसारित होने पर टेस्ट और इंग्लैंड दौरा रोकने की चेतावनी दी थी। हालांकि पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद ने कहा कि उन्हें और खिलाड़ियों को इस विवाद की कोई जानकारी नहीं थी और उनका पूरा ध्यान मैच पर था। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान इमरान खान के बेटों के स्काई स्पोर्ट्स इंटरव्यू को लेकर विवाद खड़ा हो गया। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि पीसीबी ने इंटरव्यू प्रसारित होने पर टेस्ट और इंग्लैंड दौरा रोकने की चेतावनी दी थी। हालांकि, पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद ने कहा कि उन्हें और खिलाड़ियों को इस विवाद की कोई जानकारी नहीं थी और उनका पूरा ध्यान मैच पर था। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट सिर्फ मैदान पर चल रहे मुकाबले के कारण चर्चा में नहीं है। टेस्ट के पहले दिन लंच ब्रेक के दौरान एक इंटरव्यू ने क्रिकेट से इतर बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। स्काई स्पोर्ट्स पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथर्टन ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों कासिम और सुलेमान खान से बातचीत की। इस इंटरव्यू में दोनों ने अपने पिता की सेहत, जेल में उनके इलाज और सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने ब्रिटेन सरकार की प्रतिक्रिया पर भी सवाल उठाए। इंटरव्यू प्रसारित होने से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से कथित तौर पर आपत्ति जताई गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने स्काई स्पोर्ट्स से इसे प्रसारित नहीं करने को कहा था। यहां तक कि इंटरव्यू प्रसारित होने पर लॉर्ड्स टेस्ट रद्द करने और तीन मैचों की सीरीज से हटने की संभावना भी जताए जाने की बात सामने आई। हालांकि, अंततः स्काई स्पोर्ट्स ने इंटरव्यू प्रसारित किया और पाकिस्तान की टीम लंच के बाद मैदान पर वापस लौट आई।

सरफराज ने कहा- मुझे कुछ नहीं पता

दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे। उनसे पीसीबी और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) के बीच हुए कथित विवाद और खिलाड़ियों के मैदान पर नहीं उतरने की खबरों को लेकर सवाल किया गया। सरफराज ने इस पूरे मामले से अनजान होने की बात कही। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ नहीं पता। मैं सिर्फ मैच पर ध्यान दे रहा हूं।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वह स्काई स्पोर्ट्स पर प्रसारित इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू की बात कर रहे हैं, तो सरफराज ने कहा, 'आप इंटरव्यू की बात कर रहे हैं? हमें इंटरव्यू के बारे में कुछ नहीं पता।' इसके बाद उनसे पूछा गया कि क्या पहले दिन लंच के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ियों के मैदान पर वापस नहीं लौटने की कोई संभावना थी। इस पर भी उन्होंने साफ इनकार किया। सरफराज ने कहा, 'सब ठीक है। उस समय हम लंच कर रहे थे।' इंटरव्यू से जुड़े विवाद पर सवालों के दौरान सरफराज काफी असहज नजर आए। जब उनसे पूछा गया कि क्या खिलाड़ियों को दूसरे सत्र में मैदान पर नहीं उतरने की संभावना के बारे में बताया गया था, तो उन्होंने सवाल पूरा होने से पहले ही इनकार करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'नहीं, नहीं, नहीं, नहीं।'

मैदान पर वापसी: अनाया बांगड़ ने कहा- अब ऑस्ट्रेलिया में एलीट क्रिकेट खेल सकती हूं डब्ल्यूबीबीएल पर भी की बात

अनाया बांगड़ ने कहा है कि वह मार्च 2027 से ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट खेलने के लिए पात्र हैं और डब्ल्यूबीबीएल में जगह बनाने का लक्ष्य रखती हैं। उन्होंने कहा कि अब उनका फोकस फिटनेस, स्किल्स और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर खुद को डब्ल्यूबीबीएल फ्रेंचाइजी के सामने साबित करने पर है।

भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ ने दावा किया है कि अब वह मार्च 2027 से ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट खेलने के लिए पात्र हैं। अगर वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर अपने प्रदर्शन से प्रभावित करती हैं, तो उनके लिए विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में खेलने का रास्ता भी खुल सकता है। अनाया ने कहा कि क्रिकेट में वापसी की संभावना उनके लिए बेहद भावुक पल है। ट्रांजिशन के बाद उन्हें क्रिकेट से दूर होना पड़ा था और एक समय उन्हें लगा था कि उनका क्रिकेट करियर खत्म हो गया है।

मुझे लगा था कि मैंने क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया'

बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में अनाया ने कहा कि क्रिकेट बचपन से ही उनकी पहचान का अहम हिस्सा रहा है। ऐसे में दोबारा मैदान पर उतरने की संभावना उनके लिए सिर्फ किसी महिला लीग में खेलने का मौका नहीं, बल्कि अपने पसंदीदा खेल में लौटने का अवसर है। उन्होंने कहा, 'मैं अब मार्च 2027 से ऑस्ट्रेलिया में विमेंस बिग बैश लीग खेलने के लिए पात्र हूं। मेरे लिए यह बेहद भावुक पल है, क्योंकि एक समय मुझे सच में लगा था कि मैंने क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया है।' अनाया के मुताबिक, ट्रांजिशन के बाद क्रिकेट से दूर होना उनके जीवन के सबसे कठिन अनुभवों में से एक था। अब उनका लक्ष्य प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर खुद को एक बार फिर साबित करना है।

- क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नीति से खुला रास्ताऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की ट्रांसजेंडर और जेंडर-डाइवर्स खिलाड़ियों को लेकर समावेशी नीति है।
- इसकी गाइडलाइंस में कम्युनिटी क्रिकेट और एलीट क्रिकेट के बीच अंतर किया गया है और डब्ल्यूबीबीएल को एलीट प्रतियोगिता के तौर पर वर्गीकृत किया गया है।
- अनाया का कहना है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट खेलने की दिशा में आगे बढ़ने की अनुमति दी है।
- हालांकि, डब्ल्यूबीबीएल में जगह मिलना अभी तय नहीं है।
- उन्होंने कहा कि उनका अगला लक्ष्य खुद को शारीरिक और प्रतिस्पर्धात्मक रूप से मजबूत बनाना है, ताकि किसी डब्ल्यूबीबीएल फ्रेंचाइजी की नजर में वह चयन की दावेदार बन सकें। सिर्फ पात्रता से नहीं मिलेगी डब्ल्यूबीबीएल में जगहडब्ल्यूबीबीएल में विदेशी खिलाड़ियों के लिए कॉन्ट्रैक्टिंग और ड्राफ्ट की व्यवस्था है।
- ऐसे में अनाया के लिए पात्र होना पहला कदम है, लेकिन असली चुनौती मैदान पर प्रदर्शन करके किसी फ्रेंचाइजी को प्रभावित करना होगी

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300